वर्ष : 33 | अंक : 60 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, शनिवार, 18 मई 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक: अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

शिव सैनिकों के बलिदानों को धोखा दिया

पीएम ने कहा कि शिवतीर्थ की इस भूमि में यहां कभी बाला साहब ठाकरे और वीर सावरकर की हुंकार गूंजी थी, लेकिन आज विश्वासघाती इंडी अघाड़ी को देखकर उनकी आत्मा को कितना दुख होता होगा। ये नकली शिवसेना वाले.. इन्होंने बाला साहब को धोखा दिया है, इन्होंने शिव सैनिकों के बलिदानों को धोखा दिया है। सत्ता के लिए ये राम मंदिर को गाली देने वालों के साथ चले गए। सत्ता के लिए ये मुंबई हमले के बाद पार्टी कर रहे लोगों के साथ चले गए। जो कांग्रेस दिन-रात वीर सावरकर को गालियां देते हैं आज ये उनके गोद में जाकर बैठे हैं।

'अनुच्छेद 370 को कब्रिस्तान में गाड़ दिया, दुनिया की कोई ताकत दोबारा नहीं ला सकती'

शिवाजी पार्क में खूब गरजे मोदी

धीरज सिंह | मुंबई

लोकसभा चुनाव के पांचवें और महाराष्ट्र में अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार चरम पर है। पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई में दादर स्थित शिवाजी पार्क मैदान पर बीजेपी गठबंधन दल महायुति की चुनावी जनसभा हुई। सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मुंबई शहर सिर्फ सपने देखता नहीं, उन्हें जीता भी है। इस सपनों के शहर में मैं 2047 का सपना लेकर आया हूं। एक सपना, एक संकल्प, विकसित भारत बनाने का। इसमें मुंबई की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि आजादी के बाद गांधी जी की सलाह पर अगर कांग्रेस को भंग कर दिया होता तो आज भारत कम से कम पांच दशक आगे होता। आजादी के बाद भारत की सभी व्यवस्थाओं का जो कांग्रेसीकरण हुआ उसने देश के पांच दशक बर्बाद किए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ये निराशा के गर्त में डूबे हुए वो लोग हैं, जिनको अनुच्छेद 370 को हटना भी असंभव लगता था। आज हमारी आंखों के सामने अनुच्छेद 370 की जो दीवार थी, उसे हमने कब्रिस्तान में गाड़ दिया है। और जो ये सपने संजो रहे हैं कि 370 पुनर्जागरण करेंगे, फिर से लाएंगे तो वो कान खोलकर सुन लें... दुनिया की कोई ताकत दोबारा 370 नहीं ला सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि इन्होंने अपने वोटबैंक को खुश करने के लिए, तुष्टिकरण के लिए इस पूरी अघाड़ी ने पूरे मुंबई को, पूरे देश को धोखा दिया है।

मैं गारंटी देता हूं कि मैं आपको विकसित भारत देकर जाने वाला हूं

पीएम मोदी ने कहा कि जबसे आपने इस सेवक को काम दिया तो 10 साल में आज देश 11वें नंबर से दुनिया की 5वें नंबर की आर्थिक ताकत बनकर खड़ा है। आज भारत में मुंबई में रिकॉर्ड इनवेस्टमेंट आ रहा है और मेरी गारंटी है कि कुछ ही सालों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गारंटी देता हूं कि मैं आपको विकसित भारत देकर जाने वाला हूं। इसलिए मोदी 24x7 for 2047 के मंत्र के साथ... हर पल आपके नाम, हर पल देश के नाम... जी जान से जुटा है।

आज रामलला भव्य मंदिर में विराजमान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राम मंदिर भी उनको असंभव लगता था... लेकिन दुनिया को कभी न कभी इस बात को स्वीकार करना पड़ेगा कि भारत भूमि में रहने वाले लोग अपने विचारों और इरादों के इतने पक्के थे कि एक सपना लेकर के 500 साल तक लड़ते रहे। अनेक पीढ़ियों का संघर्ष, लाखों लोगों का बलिदान और 500 साल तक संजोया सपना... आज रामलला भव्य मंदिर में विराजमान हैं।

देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई को मिलेगी

पीएम मोदी ने कहा कि आप मोदी को मजबूत कीजिए... क्योंकि आपका एक वोट राष्ट्रहित में बड़े फैसलों का आधार बना है, इसलिए एक-एक वोट जरूरी है। आज दुनिया का आधुनिकतम इंफ्रास्ट्रक्चर मुंबई को मिल रहा है। आज यहां अटल सेतु है, मुंबई मेट्रो का विस्तार हो रहा है, मुंबई लोकल का आधुनिकीकरण हो रहा है, नवी मुंबई में एयरपोर्ट बन रहा है, वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं और वो दिन दूर नहीं... जब देश की पहली बुलेट ट्रेन मुंबई को मिलेगी।

इंडिया महाविकास आघाड़ी की परिवर्तन सभा में उमड़ा जनसैलाब

दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र की पांचवी व अंतिम चरण के चुनाव प्रचार की बीकेसी में आयोजित इंडिया गठबंधन की सभा में भारी संख्या में लोगों की भीड़ देखने को मिली। इसमें आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर 4 जून को बीजेपी जीतती है, तो सुप्रिया सुले, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे जेल भी जाएंगे। क्योंकि बीजेपी एक-एक करके सभी विपक्षियों को निशाना बना रही है। इंडिया गठबंधन के नेता संजय राउत, विजय वडदीवार, नसीम खान, नाना पटोले सहित सभी दलों के नेताओं ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना बनाया ।

मोदी के पास 10 साल का रिपोर्ट कार्ड और 25 साल का रोडमैप

पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ मोदी के पास 10 साल का रिपोर्ट कार्ड है और 25 साल का रोडमैप भी है। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन वालों के पास क्या है- जितने लोग उतनी बातें। जितने दल उतनी घोषणाएं और जितने दल उतने प्रधानमंत्री।

मुंबई में 20 मई को अंतिम मतदान

सोमवार यानी 20 मई को मुंबई की छह सीटों के साथ-साथ कुल 13 सीटों पर वोट डाले जाने हैं। आज 5 बजे चुनाव प्रचार बंद हो जाएगा।

बकाएदारों पर डंडा

- 24 मालिकों की प्रापर्टी जब्त
- 180 करोड़ रुपए की संपत्ति कर बकाया

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महानगरपालिका ने प्रॉपर्टी टैक्स बकाएदारों पर कड़ी कार्रवाई का डंडा चलाया है। मनपा ने 180 करोड़ रुपए टैक्स बकाएदारों की 24 संपत्तियों को जब्त कर लिया है। टैक्स बकाया करने के कारण मनपा ने सात रस्ता स्थित न्यू शिरीन टॉकीज की नीलामी करने के लिए नोटिस जारी किया है। वर्ली की शुभदा हाउसिंग सोसायटी को 35.94 करोड़ रुपए का टैक्स चुकाने के लिए मनपा ने 48 घंटे का नोटिस जारी किया है।

बकाया करदाताओं की संपत्ति जब्त

मनपा ने विभिन्न विभागों में बकाया करदाताओं की संपत्ति जब्त कर सील कर दिया है। मनपा ने एच-पूर्व विभाग के जे.कुमार इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट लिमिटेड के कास्टिंग यार्ड पर 80 करोड़ रुपए, जी-दक्षिण विभाग के वर्ली में शुभदा हाउसिंग इंस्टीट्यूट पर 35.94 करोड़ रुपए और रेनेसां ट्रस्ट पर 6.72 करोड़ रुपए टैक्स बकाया पर कार्रवाई शुरू की गई है। शुभदा हाउसिंग सोसायटी को बकाया राशि चुकाने के लिए 48 घंटे का नोटिस जारी किया गया है। रेनेसां ट्रस्ट की चार जेसीबी और एक पोकलेन प्लांट को जब्त कर लिया गया।

यू शिरीन टॉकीज की जगह होगी नीलाम, नोटिस जारी

जी-दक्षिण विभाग में न्यू शिरीन टॉकीज पर 6 करोड़ 47 लाख रुपए टैक्स बकाया मामले में नीलामी नोटिस जारी की गई है। बीएमसी ने बकाया कर दाताओं को चेतावनी जारी की है कि अगले पांच दिनों के भीतर टैक्स का भुगतान नहीं किया तो संपत्ति को नीलामी के माध्यम से बेच दिया जाएगा। मनपा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संपत्ति कर भुगतान की अंतिम तिथि 25 मई, 2024 तय की है।

संपत्ति जब्त

शांतिसागर रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड, मलाड	1.65 करोड़
मेसर्स लोक हाउसिंग एंड कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	3.91 करोड़
मेसर्स जी.ए बिल्डर्स, चेंबूर	1.05 करोड़
ओसवाल हाइट्स कमर्शियल प्लॉट	26.48 लाख
फ्लोरा एवेन्यू कमर्शियल प्लॉट	92.42 लाख
मेसर्स अरिहंत रियल्टर्स प्लॉट	1.96 करोड़
ई विभाग में मेसर्स प्रभात कमर्शियल प्लॉट	72 लाख
हेक्स रियल्टर्स का कमर्शियल प्लॉट	1.12 करोड़
पी-उत्तर विभाग के मालवणी में डॉटम रियल्टी	13.06 करोड़
पी-उत्तर विभाग में समर्थ डेवलपर्स का प्लॉट	2.31 करोड़
क्रिसेंट आदित्य रियल्टर्स प्रा.लि, मलाड	2.50 करोड़
एच पूर्व विभाग एन.जे फिनस्टॉक प्रा. लिमिटेड	45.83 लाख
अजंता कर्मवीर ग्रुप	2.05 करोड़
डी विभाग में श्रीनिजु इंडस्ट्रीज	3.77 करोड़
एम पश्चिम विभाग में नेत्रावती हाउसिंग सोसायटी	67.51 लाख
विजया हाउसिंग सोसाइटी	1.68 करोड़
जयश्री डी कावले	1.65 करोड़
ई-विभाग में सैयद अकबर हुसैन	58.13 लाख
एफ-उत्तर विभाग में बीपी टेक्नो प्रोडक्ट्स प्रा.लि	41.05 लाख

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली में गर्मी का कहर, 47 डिग्री पहुंचा तापमान

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में झुलसा देने वाली गर्मी पड़ रही है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) से मिली अपडेट के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का नजफगढ़ इलाका सबसे गर्म दर्ज किया गया। यहां का तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। विभाग ने बताया कि शुक्रवार को दिल्ली के 8 स्टेशनों पर तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया है। इसको लेकर दिल्ली में ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया गया है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को दिल्ली का तापमान सामान्य से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान कई इलाकों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली का नजफगढ़ इलाका सबको पीछे छोड़ता हुआ सबसे ज्यादा तापमान मामले में नंबर एक पर रहा।

मुंबई कस्टम ने जब्त किया 1.39 किलो से अधिक सोना

मुंबई। मुंबई कस्टम के अधिकारियों ने 13 से 16 मई के बीच 27 मामलों में 11.39 किलो से अधिक सोना और 7.16 करोड़ रुपए मूल्य की सिगरेट जब्त की।

सर्राफा

चांदी (.999)	90,200
सोना स्टैंडर्ड	75,125

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	33.0-27.0	56%

सूर्यास्त	शनिवार	06:04 बजे
सूर्योदय	रविवार	07:04 बजे

घाटकोपर होर्डिंग हादसा

जांच क्राइम ब्रांच के हवाले

भिंडे को 26 मई तक पुलिस कस्टडी

दोपहर संवाददाता | मुंबई

घाटकोपर होर्डिंग हादसे की जांच शुक्रवार को मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। मामले के मुख्य आरोपित भावेश प्रभुदास भिंडे को विक्रोली कोर्ट ने 26 मई तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दिया है। भिंडे को मुंबई पुलिस ने राजस्थान में उदयपुर के एक होटल से गिरफ्तार किया था, जहां वह गलत पहचान बताकर रुका था।

उदयपुर से हुई थी गिरफ्तारी

पुलिस के अनुसार घाटकोपर में ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर लगाई गई विशालकाय होर्डिंग सोमवार को गिर गई थी। यह

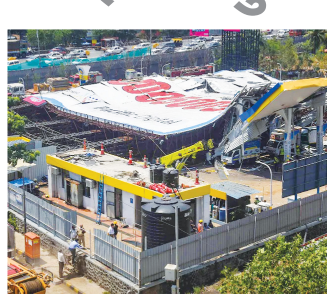

मामला पंतनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था लेकिन इसकी भनक लगते ही भिंडे गिरफ्तारी के डर से भाग गया था। पुलिस टीम भावेश भिंडे को तीन राज्यों में तलाश रही थी लेकिन मुंबई पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर उसे गुरुवार को उदयपुर के एक होटल से गिरफ्तार करके मुंबई लेकर आई। पूछताछ के बाद पुलिस ने भावेश भिंडे को विक्रोली कोर्ट में पेश किया और कस्टडी मांगी। भिंडे की ओर से पेश वकील रिजवान मर्चंट ने कोर्ट को बताया कि उनके मुवक्किल पर धारा 304 गलत लगाई गई है। साथ ही भावेश भिंडे की गिरफ्तारी गलत तरीके से किए जाने का भी आरोप कोर्ट में लगाया। रिजवान मर्चंट ने बताया कि होर्डिंग 2023 में सभी प्रमाणपत्र लेकर लगाई गई थी लेकिन सोमवार को हवा की रफ्तार 96 घंटे प्रतिघंटा थी, इस वजह से होर्डिंग गिर गई थी। इसके बाद कोर्ट ने भिंडे को 26 मई तक पुलिस कस्टडी में भेजने का आदेश दे दिया।

शराब घोटाला: मुश्किल में केजरीवाल

- ईडी ने AAP और केजरीवाल को बनाया आरोपी
- पहली बार कोई पॉलिटिकल पार्टी बनी आरोपी

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जांच का दायरा बढ़ते हुए आम आदमी पार्टी (AAP) को भी आरोपियों की लिस्ट में शामिल कर लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभियोजन पक्ष ने शुक्रवार को एक शिकायत दर्ज की, जिसमें अरविंद केजरीवाल के राजनीतिक दल को आरोपी बनाया गया है। बीते बुधवार को मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जांच एजेंसी ने आप को आरोपी बनाने की बात कही थी।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर शुक्रवार (17 मई) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। केजरीवाल ने शीर्ष कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) की गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसला सुरक्षित रख लिया। साथ ही कहा कि केजरीवाल जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जा सकते हैं। जांच एजेंसी ने 21 मार्च को केजरीवाल को अरेस्ट किया था। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को केजरीवाल को 21 दिन यानी एक जून तक अंतरिम जमानत दी है। 2 जून को उन्हें सरेंडर करना होगा। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच केजरीवाल की याचिका पर सुनवाई की।

शरद पवार से गुपचुप मिले सुनील तटकरे!

अनिल देशमुख के दावे से बढ़ा सस्पेंस

नाशिक/मुंबई। लोकसभा चुनाव 2024 के महासमर के दौरान राकां (अजित पवार गुट) के सांसद व अध्यक्ष सुनील तटकरे को लेकर आई एक खबर के कारण महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। ऐसा कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के मतदान से पहले तटकरे, राकां (शरद पवार गुट) के नेता शरद पवार से मिलने उस होटल में पहुंच गए, जहां शरद पवार ठहरे थे। तटकरे को लेकर यह सियासी सस्पेंस राकां (शरद पवार गुट) के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के एक बयान के बाद फैला है।

पत्रकार आशुतोष हत्याकांड

मुख्य आरोपी ट्रेन से फरार

पुलिस को दिया चकमा, दो निलंबित

दोपहर संवाददाता | मुंबई

यूपी के जौनपुर जिला स्थित शाहगंज में पत्रकार की दिनदहाड़े हत्या का मुख्य आरोपी के ट्रेन से फरार होने की घटना से खलबली मच गई। बताया गया कि पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या के आरोपी जमीरूद्दीन को मुंबई के पास ठाणे जिले के भिवंडी से पुलिस ने गिरफ्तार किया था। यूपी पुलिस आरोपी को अपनी कस्टडी में लेकर ट्रांजिट रिमांड पर उसे गोदान एक्सप्रेस से मुंबई से जौनपुर ले जा रही थी। ट्रेन मध्य प्रदेश के खंडवा रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी, इसी बीच रात में आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। पुलिस कस्टडी में लापरवाही बरतने पर एसपी ने शाहगंज कोतवाली के उप निरीक्षक मंसा राम गुप्ता और कांस्टेबल बृजेश मिश्रा को निलंबित कर दिया है। खबर के मुताबिक रास्ते में खंडवा रेलवे स्टेशन से आरोपी जमीरूद्दीन के भाग निकलने पर परेशान

पुलिस कर्मियों ने उसकी तलाश के लिए स्टेशन के आसपास व अन्य जगहों पर काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ जानकारी नहीं मिल सकी।

मुंबई पुलिस से संपर्क

सफलता न मिलने पर इसकी जानकारी अधिकारियों को दी गई। एसपी डा. अजय पाल शर्मा के अनुसार जमीरूद्दीन के फरार होने की सूचना मिली है। इसके लिए जौनपुर पुलिस मुंबई पुलिस व आसपास की पुलिस टीम से संपर्क कर उसकी तलाश कर रही है। यूपी पुलिस की कस्टडी से अपराधियों के भागने की ये कोई पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी कई आरोपी यूपी पुलिस की कस्टडी से फरार हो चुके हैं।

राज्य में सिर्फ 12 दिनों का खून का स्टॉक जमा

शहर को रोज 800 यूनिट ब्लड की पड़ती है जरूरत

दोपहर संवाददाता | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई सहित प्रदेश में इन दिनों खून की कमी का संकट मंडरा रहा है। प्रदेश के निजी व सरकारी अस्पतालों के ब्लड बैंक में सभी ग्रुप के रक्त की कमी है। कई ब्लड बैंक में तो आलम यह है कि ब्लड स्टोर करने वाले बड़े-बड़े फ्रिज खाली पड़े हैं। उन्हें खून की तत्काल आवश्यकता है। फिलहाल ब्लड बैंकों में जितना खून जमा है उससे सिर्फ 10 से 12 दिन तक मरीजों को रक्त आपूर्ति हो सकती है। इसका एक बड़ा कारण छुट्टियों का सीजन भी है, जिसमें बहुत से लोग अपने गांव चले गए हैं, इससे रक्तदान करनेवालों की संख्या में कमी आई है। मुंबई के 58 ब्लड बैंक सहित राज्य में कुल 377 ब्लड बैंक है। महाराष्ट्र स्टेट ब्लड ट्रांसफ्यूजन काउंसिल के मुताबिक राज्य के ब्लड बैंकों में 37 हजार से अधिक ब्लड यूनिट है तो वहीं मुंबई में 7500 से अधिक ब्लड यूनिट जमा है। इससे सिर्फ 10 से 12 दिनों तक ही मरीजों को ब्लड मिल सकता है।

58 ब्लड बैंक हैं मुंबई में

377 ब्लड बैंक हैं महाराष्ट्र में

रक्त का कहां, कितना यूनिट स्टॉक

पालघर- 107	अमरावती- 509	सांगली-2,060
धाराशिव- 141	धुले- 518	नागपुर- 2,070
अकोला- 239	जलगांव- 530	सोलापुर-2,091
रत्नागिरी- 371	लातूर-885	कोल्हापुर- 2,272
नांदेड़- 394	रायगड- 905	ठाणे- 2,533
जालना- 429	सिंधुदुर्ग- 1,027	मुंबई- 7,661
	नासिक-1,953	

रक्तदान में कमी की अहम वजह

काउंसिल के संयुक्त निदेशक डॉ. महेंद्र केंद्रे ने बताया कि वर्तमान में गर्मियों की छुट्टियां चल रही हैं। इसकी वजह से कई लोग अपने गांव या शादी समारोह के लिए गए हैं। यही वजह है कि रक्तदान में भी कमी देखने को मिल रही है।

ब्लड डोनेट करने की अपील

खून की कमी के संकट को देखते हुए डॉ. केंद्रे ने आम जनता से ब्लड डोनेट करने की अपील की है। विभिन्न एनजीओ को ब्लड डोनेशन कैंप आयोजित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में फरवरी में हुए 847 रक्तदान शिविर के माध्यम से 78 हजार यूनिट रक्त जमा हुए थे। इससे थोड़ी राहत मिली, लेकिन मुंबई में रोजाना 800 यूनिट की रोज जरूरत पड़ती है। इस लिहाज से सोसायटी के लोगों को अपने परिसर में छोटे-छोटे रक्तदान कैंप आयोजित करना चाहिए।

नकली नोट छापने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

दो लाख से अधिक मूल्य के जाली नोट जब्त

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

पुलिस ने महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के पनवेल तालुका में कथित तौर पर नकली नोट छापने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और छापेमारी के बाद उसके पास से दो लाख रुपये से अधिक मूल्य के नकली नोट जब्त किए हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि 26 वर्षीय आरोपी की पहचान प्रफुल्ल गोविंद पाटिल के रूप में हुई है जिसने नकली नोट छापने की तकनीक मुख्य रूप से यूट्यूब पर वीडियो देखकर सीखी थी।

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई

नवी मुंबई के सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) अजय कुमार लांडगे ने कहा, 'एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए केंद्रीय अपराध इकाई की एक पुलिस टीम ने 15 मई को तलोजा एमआईडीसी क्षेत्र के पाले खुर्द गांव में एक चॉल में स्थित एक कमरे पर छापा मारा और कमरे से नकली नोट बरामद किए गए। आरोपी ने कमरा किराये पर लिया था और दो महंगे स्कैनरों की मदद से उसने नकली नोट छापने का काम किया। उसने सबसे पहले 50, 100 और 200 रुपये के असली नोटों को कपास के रेशों वाले कागज पर स्कैन किया उन्हें काटा और उस पर चांदी/हरे रंग की रेडियम पट्टियां चिपका दीं और उन्हें बेचने से पहले लोहे से दबा दिया।'

1,440 से अधिक जाली नोट बरामद

अधिकारी ने बताया कि छापेमारी के दौरान पुलिस ने 1,440 से अधिक जाली नोट बरामद किए जिनमें 50 रुपये के 574 , 100 रुपये के 33 नोट और 200 रुपये के 856 नोट शामिल हैं जिनकी कुल कीमत 2,03,200 रुपये है। पुलिस ने बताया कि आरोपी कक्षा नौ की परीक्षा में फेल हो गया था और एक ऐसी कंपनी में मजदूर के तौर पर काम करता था जो पुराने कंप्यूटर और प्रिंटर खरीदकर उन्हें ठीक करके बेचती थी। यूट्यूब पर वीडियो देखने के अलावा उसने अपने कार्यस्थल पर भी नकली नोट छापने की तकनीक सीखी। पुलिस ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ तलोजा पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

सड़क दुर्घटना में स्कूटी चालक ने गंवाई जान

विरार। नायगांव पुलिस स्टेशन अंतर्गत स्कूटी और ट्रक में भीषण टक्कर होने से स्कूटी चालक की दर्दनाक मौत होने की घटना सामने आई है। इस संबंध में नायगांव पुलिस ने ट्रक चालक के ऊपर केस दर्ज कर आगे की तहकीकात शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार,कैलाश गुरुनाथ मलगिरे (35),निवासी-आकुर्ली,कांदिवली पूर्व में रहता था।

बताया जाता है कि वह चिंचोटी रोड की ओर जा रहा था। जैसे ही मदर स्टूडियो के सामने पहुँचा, पीछे से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी चालक कैलाश की मौत हो गयी। नायगांव पुलिस घटना स्थल पर पहुँची औए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस आरोपी चालक पर केस दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है।

आप पार्टी ने सरकार की करतूतों पर साधा निशाना

दोपहर संवाददाता । ठाणे

पिछले चार दिन पहले मुंबई में हुई होर्डिंग की दुर्घटना में 18 लोगों की मृत्यु हो गई थी और मलबे में और लोगों की दबने की आशंका है।उड़ घटना को लेकर ठाणे शहर के टिपटॉप प्लाजा होटल में आम आदमी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष राम कृष्ण शिंदे ने पत्रकार सम्मेलन लेकर केंद्र व राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया।वहीं रामकृष्ण ने मोदी पर हमला करते हुए कहा कि महायुति नहीं महा भ्रष्टाचारी लोग हैं। एक तरफ दुर्घटनाओं में कई लोगों की जाने चली गई तो वहीं मुख्यमंत्री ने केवल घायलों को केवल पांच लाख रुपये देने का आश्वासन दिया है। यह कितनी शर्म की बात है। एक जान की कीमत मात्र पांच लाख रुपये इन्होंने लगा दिया है।

नरेश म्हस्के का भी नाम

कंपनी का होर्डिंग है उस कंपनी में ठाणे लोकसभा के उम्मीदवार नरेश म्हस्के का भी नाम है। इसलिए इसकी जांच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस नहीं कराना चाहते है।क्योंकि इनके महाभ्रष्ट उम्मीदवार नरेश म्हस्के का नाम भी शामिल है।जहां दुर्घटना हुई है वहां की जनता इनको कोश रही है।उन्होंने आरोप लगाते हुए कहाकि लोकसभा सभा चुनाव में जनता इस गद्दार सरकार को सबक सिखाएगी।सभी नागरिकों से आवाहन है कि एक नेक ईमादार आदमी को चुनकर दिल्ली तक पहुंचाने का काम करें मोदी को सत्ता से दूर करने में मदद करे।इस अवसर पर ठाणे जिला अध्यक्ष सतीश सलूजा,नवी मुंबई जिलाध्यक्ष दिनेश ठाकुर,राजकुमार,अविनाश मोरे सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

लोकसभा चुनाव के दौरान 4,000 पुलिसकर्मी बंदोबस्त ड्यूटी पर रहेंगे

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के आयुक्त मिलिंद भारंभे ने शुक्रवार को कहा कि क्षेत्र में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 3,500 से 4,000 पुलिसकर्मियों को बंदोबस्त ड्यूटी पर तैनात किया गया है। नवी मुंबई पुलिस के अधिकार क्षेत्र में आने वाले ऐरोली और बेलापुर विधानसभा क्षेत्र ठाणे लोकसभा सीट का हिस्सा हैं।

मुंबई की छह सीटों और ठाणे सहित महाराष्ट्र की 12 अन्य सीटों पर लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होगा। भारंभे ने कहा कि व्यापक सुरक्षा उपाय किए गए हैं, जिसमें तैयारी बैठकें और सशस्त्र बटालियनों वाली छह कंपनियों का आगमन शामिल है।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अधिकारियों सहित लगभग 3500 से 4000 पुलिसकर्मियों की तैनाती बंदोबस्त ड्यूटी के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस थाना क्षेत्र में कठोर अभियान चलाए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप अवैध हथियार, नशीले पदार्थ और प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई है। उन्होंने नागरिकों से बिना किसी डर के मतदान करने का आग्रह किया।

आज नालासोपारा आएंगे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

दोपहर संवाददाता । नालासोपारा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 18 मई को नालासोपारा आएंगे। वे नालासोपारा पश्चिम के श्रीप्रस्थ क्षेत्र में स्थित स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे मैदान में दोपहर 1: 30 बजे महायुति से भाजपा के उम्मीदवार हेमंत सावरा की चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। नालासोपारा में 60 फीसदी उत्तर भारतीय समाज के लोग रहते हैं। माना जा रहा है कि उत्तर भारतीय वोट बैंक को अधिक से अधिक भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में करने के लिए योगी आदित्यनाथ नालासोपारा आ रहे हैं। बता दें कि हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की वसई में चुनावी सभा हुई थी।

व्यापक तैयारियां की गई

भाजपा वसई-विरार जिला प्रचार प्रमुख मनोज बारोट ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नालासोपारा में होने वाली सभा को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता को देखते हुए इस सभा में बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है। इसे देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। धूप के कारण यहां आने वालों को तकलीफ न हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। लोगों के लिए सभा स्थल पर पेयजल की व्यवस्था की गई है। गौरतलब है कि इससे पहले साल 2019 के लोकसभा चुनाव में महायुति से शिवसेना (अविभाजित) के उम्मीदवार राजेंद्र गावित की चुनावी सभा के लिए योगी आदित्यनाथ नालासोपारा आए थे। इस चुनाव में गावित को सफलता मिली थी। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में पालघर सीट के लिए 20 मई को वोटिंग होनी है। इस सीट पर महायुति से भाजपा के उम्मीदवार हेमंत विष्णु सावरा चुनाव मैदान में हैं। वहीं बहुजन विकास आघाडी (बविआ) ने बोईसर के विधायक राजेश पाटील और महाविकास आघाडी ने शिवसेना (उद्धव) की प्रत्याशी भारती कामड़ी को मैदान में उतारा है।

दो जगह कंटेनर पलटने से दो की मौत, एक घायल

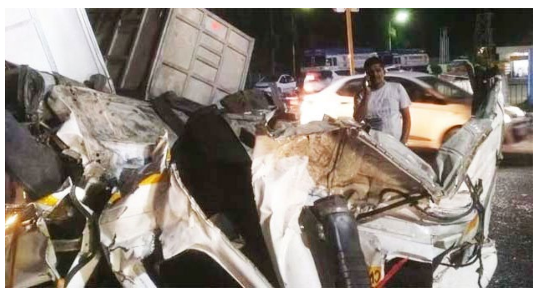

पालघर। महाराष्ट्र के पुणे और पालघर जिले में शुक्रवार को तड़के कंटेनर पलट जाने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इन दोनों घटनाओं में एक कंटेनर चालक घायल हो गया है और उसका इलाज नजदीकी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस के अनुसार पुणे जिले में पुणे-सोलापुर हाईवे पर शेलकेवाड़ी इलाके में चालक की लापरवाही से ओवरलोड कंटेनर पलट गया। इस घटना में चालक और क्लीनर की मौके पर ही मौत हो गई।

हड़पसर पुलिस स्टेशन की टीम ने पंचनामा कर दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। इसी तरह पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर मेंडवान दर्रे के पास आज सुबह चालक की लापरवाही से एक कंटेनर पलट गया। इससे हाईवे पर वाहनों की दोतरफा कतारें लग गईं। इस भीषण हादसे में कंटेनर ड्राइवर घायल हो गया है। ड्राइवर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पालघर पुलिस हाईवे पर जाम हुए ट्रैफिक को क्लीयर कर रही है। इस घटना की भी छानबीन पुलिस कर रही है।

पकड़े गए 3 बांग्लादेशी

वसई। वसई के कोलीवाडा क्षेत्र में रह रहे 3 बांग्लादेशियो पर कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ वसई पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करवाया गया है। मिली जानकारी का अनुसार,अनैतिक मानव तस्करी निवारण प्रकोष्ठ की टीम ने गुप्त सूचना के जरिए वसई पश्चिम के कोलीवाड़ा में 3 बांग्लादेशियो पर कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक,अभियुक्तों ने पिछले चार वर्षों से बांग्लादेश से भारत में प्रवेश करने के बाद रह रहे थे। माणिक शेख,मोहम्मद अलियाज आमुल कासिम शेख और फ़रिदा इलियाज आमुल कासिम शेख) को गिरफ्तार कर लिया गया है। अनैतिक मानव तस्करी निवारण प्रकोष्ठ कार्यरत महिला पुलिस हवालदार (सुप्रिया तिवले) की शिकायत पर वसई थाने में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है।

BJP चुनाव जीती तो शरद पवार और उद्धव ठाकरे को जेल में होंगे: अरविंद केजरीवाल

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दावा किया कि अगर भाजपा लोकसभा चुनाव जीतती है तो वह राकांपा (शरदचंद्र पवार) अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को जेल भेज देगी। महाराष्ट्र के भिवंडी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें इसलिए गिरफ्तार कराया क्योंकि वह गरीबों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने और राष्ट्रीय राजधानी में बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाने के लिए काम कर रहे थे।

'आपसे देश बचाने की भीख मांग रहा'

आम आदमी पार्टी नेता ने कहा, "मैं अपने लिए वोट नहीं मांग रहा हूं, बल्कि आपसे देश बचाने की भीख मांग रहा हूं।" केजरीवाल ने दावा किया, "भाजपा नहीं जीतेगी, लेकिन अगर वह चार जून को जीतती है तो वह सुप्रिया सुले, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे को जेल में डाल देगी।" मधुमेह से पीड़ित दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि जब वह जेल में थे तो भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने 15 दिनों के लिए उनकी दवाएं रोकने की कोशिश की। यह रैली राकांपा (शरदचंद्र पवार) उम्मीदवार सुरेश म्हात्रे के समर्थन में थी, जो निर्वाचन क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

ज्वैलर्स की दुकान से लाखों रुपए के आभूषण व नकदी चोरी

दोपहर संवाददाता । नालासोपारा

नालासोपारा पश्चिम क्षेत्र के एक ज्वैलर्स की दुकान को अज्ञात चोर निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के आभूषण व नकदी चोरी कर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार,शांतिलाल भैरूलाल सुराणा (43) अपनी ज्वैलर्स की दुकान बंद करके गए। सुबह आए तो उनकी दुकान के शटर टूटा मिला। और नगदी और आभूषण गायब थे। जिसकी कुल कीमत 15,27,700 रुपये है।पुलिस मामले में अज्ञात चोर पर धारा 380,454,457 के तहत केस दर्ज कर आगे की विवेचना में जुट गई है।

बहू ने रची साज़िश, उड़ाए सास के जेवर

भायंदर। एक कलयुगी बहू ने अपने मामा के लडके के साथ मिलकर अपने ही घर से सास की 3 लाख 89 हजार रुपए मूल्य के जेवर चोरी कर लिए थे। भायंदर पुलिस ने इस प्रकरण की जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से 1 लाख 91 हजार 500 रुपए मूल्य के जेवर और नगदी बरामद कर ली है।

दरअसल 28 फरवरी को भायंदर पुलिस थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि सुबह 8 बजे किसी अज्ञात चोर ने उसके घर के दरवाजे की कुंडी तोड़कर घर में रखे सोने ,चांदी के जेवर और नगदी चोरी कर ली है। चोरी की यह अपराध दिन में घटित होने की वजह से पुलिस भी हैरत में पड़ गई थी और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच शुरू की थी। पुलिस ने घटना

स्थल और उसके आने -जाने के मार्ग में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो शिकायतकर्ता सास की बहू शालू अमरजीत बोथ और उसके मामा के लडके रजत श्यामलाल बिड़लान की गतिविधियां संदिग्ध लगी। दोनों को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ में दोनों ने चोरी का अपराध कबूल कर लिया। ऐसी जानकारी डीसीपी (जोन-1) प्रकाश गायकवाड ने दी।

पुलिस का अर्द्धसैनिक बल के साथ रूट मार्च

विरार। लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने को लेकर मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की पुलिस पूरी तरह से तैयार है। इसी कड़ी में विरार पुलिस ने अर्द्धसैनिक बल के जवानों के साथ शुक्रवार को जीवदानी ग्राउंड क्षेत्र में रूट मार्च किया। प्रभारी निरीक्षक विजय पवार ने बताया कि यह रूट मार्च विरार पूर्व से पश्चिम के अन्ना वर्तक रोड से होते हुए डोंगरी पाड़ा, जीवदानी रोड, हिल पार्क चौकी, साई बाबा मंदिर होते हुए वीर सावरकर मार्ग के मुख्य बाजार से होते हुए निकाला गया।

इस दौरान लोगों से चुनाव के दौरान शांति बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही अर्द्धसैनिक बल के जवानों को क्षेत्र की

भौगोलिक स्थिति के बारे में बताया गया। पवार ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था की गई है। मतदान केंद्र पर और मतदान केंद्र के 100 मीटर के अंदर मोबाइल फोन के उपयोग पर पाबंदी लगाई गई है। इसका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया कि वे मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी के प्रलोभन या लालच में न आएं।

66 लाख मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

6604 केंद्रों पर मतदान

3325 मतदान केंद्रों की होगी वेबकास्टिंग

ठाणे। ठाणे जिले के 23 भिवंडी, 24 कल्याण और 25 ठाणे लोकसभा क्षेत्रों में कुल 66 लाख 78 हजार 476 मतदाता 20 मई 2024 को अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। ठाणे जिलाधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक शिंगारे ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि तीनों लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए जिले में कुल 6604 मतदान केंद्र बनाये गये हैं।इसमें 36 मतदान केंद्र सोसायटियों के क्लब हाउस में होंगे।

लोकसभा आम चुनाव के मतदान के लिए ठाणे जिले में पूरी तैयारी कर ली गई है. जिले के तीनों लोकसभा क्षेत्रों में मतदान के लिए कई सुविधाएं बनायी गयी हैं।इसी तरह. जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्र बनाये गये हैं. इन सभी मतदान केंद्रों को सुगम चुनाव की अवधारणा के तहत धरातल पर लाया गया है ।इन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए पेयजल, शौचालय, छाया व्यवस्था, रैंप, व्हीलचेयर आदि की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

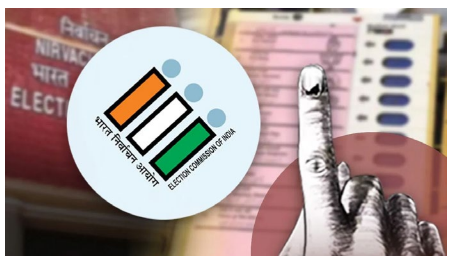

ठाणे जिले में कुल 6604 मतदान

ठाणे जिले में कुल 6604 मतदान केंद्र बनाए गए हैं. भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में कुल 2191 केंद्र हैं. इसमें 134 – भिवंडी ग्रामीण (एडी) – 345 मतदान केंद्र, 135 – शाहपुर (एडी) – 326 मतदान केंद्र, 136 – भिवंडी पश्चिम – 297 मतदान केंद्र, 137 – भिवंडी पूर्व – 314 मतदान केंद्र, 138 – कल्याण पश्चिम – 398 मतदान केंद्र शामिल हैं। स्टेशन, 139– मुरबाड – 511 मतदान केंद्र शामिल हैं।

कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1960 मतदान केंद्र

24 कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 1960 मतदान केंद्र हैं जिनमें 140 – अंबरनाथ (एडी) – 319 मतदान केंद्र, 141 – उल्हानगर – 251 मतदान केंद्र, 142 – कल्याण पूर्व – 321 मतदान केंद्र, 143 – डोंबिवली – 269 मतदान केंद्र, 144 – कल्याण पश्चिम – 406 मतदान केंद्र, 149 – मुंब्रा कलवा – 394 मतदान केंद्र।

ठाणे लोकसभा क्षेत्रों में कुल 2453 मतदान केंद्र

25 ठाणे लोकसभा क्षेत्रों में कुल 2453 मतदान केंद्र हैं। इनमें 145 – मीरा भाईदर– 451 मतदान केंद्र, 146 – ओवल माजीवाड़ा – 466 मतदान केंद्र, 147 – कोपरी पांच पखाड़ी – 366 मतदान केंद्र, 148 – ठाणे – 361 मतदान केंद्र, 150 – ऐरोली – 429 मतदान केंद्र, 151 – बेलापुर – 380 शामिल हैं मतदान केंद्र शामिल हैं।

मुरबाड विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 511 मतदान केंद्र

मुरबाड विधानसभा क्षेत्र में जिले में सबसे अधिक 511 मतदान केंद्र हैं। उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 251 मतदान केंद्र हैं।

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार अच्छा जीवन वह है जो प्रेम से प्रेरित हो और ज्ञान द्वारा निर्देशित हो : बर्ट्रेंड रसेल

न्यूज़ ब्रीफ

26 मई के बाद जलमार्ग से नहीं जा पाएंगे मांडवा

मुंबई। मुंबई और मांडवा के बीच जल परिवहन सेवा 26 मई से बंद हो जाएगी। बारिश के मद्देनज़र यह निर्णय लिया गया है। इसी सिलसिले में मैरीटाइम बोर्ड की ओर से सर्कुलर जारी कर दिया गया है। हालांकि भाऊचा धक्का से मांडवा के बीच चलने वाली रो रो फेरी सेवा नियमित रूप से जारी रहेगी। बता दें कि मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया और मांडवा के बीच जल यात्री परिवहन का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। जल परिवहन सेवाएं तीन निजी ऑपरेटरों यानी पीएनपी, मालदार और अजंता के माध्यम से चलाई जाती हैं। इस मार्ग से हर साल लगभग 12 लाख यात्री यात्रा करते हैं। इसलिए इसे कोंकण में सबसे अधिक यात्रा वाले जलमार्ग के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा इस मार्ग से बड़ी संख्या में निजी स्पीड बोट भी चलती हैं। ध्यान देने वाली वाली बात यह है कि हर साल बरसात के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल परिवहन बंद कर दिया जाता है। क्योंकि इस दौरान समुद्र अशांत होता है और इस वजह से नावों को खतरा हो सकता है, यही वजह है कि एहतियात के तौर पर नाव सेवा तीन महीने के लिए बंद कर दी जाती है। मैरीटाइम बोर्ड ने इस साल 26 मई से इस मार्ग पर सभी नाव सेवाएं बंद करने का निर्देश दिया है।

पांचवें चरण में 264 उम्मीदवार लड़ेंगे चुनाव

मुंबई। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण का चुनाव 13 सीटों पर 20 मई को होगा। मतदान के लिए 24 हजार 579 मतदान केन्द्रों पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस चरण में कुल 264 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं प्रमुख सचिव एस. चोक्कालिंगम ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि पांचवें चरण के लिए कुल 24 हजार 579 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इस चुनाव में 2 करोड़ 46 लाख 69 हजार 544 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि इन तेरह निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 41,897 बैलेट यूनिट (बीयू) और 24,579 कंट्रोल यूनिट (सीयू) और 24,579 वीवीपैट उपलब्ध हैं। चोकलिंगम ने बताया कि चुनाव अवधि के दौरान विधि-व्यवस्था के तहत 15 मई तक 50,970 हथियार जमा किये गये हैं। 1,136 हथियारों के लाइसेंस रद्द कर उन्हें जब्त कर लिया गया है। जब्त किए गए अवैध हथियारों की संख्या 1,976 है। प्रदेश में आचार संहिता लागू होने के बाद से सीआरपीसी एक्ट के तहत 1,27,837 व्यक्तियों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गयी है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के विभिन्न प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से 1 मार्च से 16 मई 2024 तक राज्य में 74.35 करोड़ रुपये नकद और 48.36 करोड़ रुपये की शराब जब्त की गई। न्होंने बताया कि 185.55 करोड़ रुपये, ड्रग्स 264.69 करोड़ रुपये, मुफ्त उपहार 0.47 करोड़ रुपये और अन्य मदों के तहत 105.53 करोड़ रुपये सहित कुल 678.97 करोड़ रुपये की कीमती चीजें जब्त की गई हैं।

महाराष्ट्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट का सख्त आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट भवन के लिए सितंबर तक जमीन सौंपने को कहा

दोपहर संवाददाता । मुंबई/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महाराष्ट्र सरकार से कहा कि वह बॉम्बे हाईकोर्ट के नये भवन के निर्माण के लिए जमीन की पहली किश्त सितंबर के अंत तक सौंपने का प्रयास करे। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि राज्य के अधिकारियों को पूरी जमीन सौंपने के लिए साल के अंत तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है और उपलब्ध होने पर छोटे क्षेत्र दिए जा सकते हैं।

2024 के अंत तक 9.64 एकड़ भूमि की पहली किश्त सौंपने का निर्देश

अदालत ने कहा, हम महाराष्ट्र सरकार को निर्देश देते हैं कि वह सितंबर 2024 के अंत तक 9.64 एकड़ भूमि की पहली किश्त सौंपने के लिए हरसंभव प्रयास करे। महाराष्ट्र सरकार को पूरी 9.64 एकड़ जमीन सौंपने के लिए दिसंबर तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है और छोटे क्षेत्रों को भी सौंपा जा सकता है। 30 सितंबर, 2024 तक 9.64 एकड़ जमीन सौंपने के लिए सभी प्रयास किए जाएं।

क्या कहा महाराष्ट्र के महाधिवक्ता ने ?

महाराष्ट्र के महाधिवक्ता ने कहा कि सरकार ने एमटीएनएल और सेंट्रल टेलीग्राफ ऑफिस (सीटीओ) के साथ उनके क्रमशः 18,000 वर्ग फुट और 8,000 वर्ग फुट क्षेत्र वाले परिसर के संबंध में एक समझौते का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि सीटीओ परिसर संरचनात्मक ऑडिट के अधीन है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि ₹कुछ अनिच्छा₹ के बाद बैंक ऑफ इंडिया ने अपने परिसर का लगभग 12,000 वर्ग फुट क्षेत्र हाईकोर्ट को उपलब्ध कराने के संबंध में निर्णय गणमान्य व्यक्तियों पर छोड़ दिया है। मेहता ने आगे कहा कि नई इमारत के विकास के लिए एक वास्तुकार की नियुक्ति की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि योजना को अंतिम रूप देने के लिए कुछ प्रसिद्ध वास्तुकारों से रुचि की अभिव्यक्ति बुलाने के तरीके को ₹डिजाइन प्रतियोगिता₹ या एक खुली प्रक्रिया की तुलना में प्राथमिकता दी गई है। एसजी मेहता ने कहा कि अंतिम योजना पर बार और बेंच के परामर्श से विचार किया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा, ₹हम बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध करते हैं कि वे इस पहलू पर उचित कार्रवाई करें ताकि आर्किटेक्ट की नियुक्ति जल्द से जल्द पूरी हो सके।₹ एसजी मेहता ने यह भी बताया कि सरकार बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में एक मध्यस्थता केंद्र स्थापित करने के लिए सभी प्रयास करेगी और एयर इंडिया भवन में इसके लिए अंतरिम व्यवस्था करने का प्रस्ताव एक खोजपूर्ण चरण में है। मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को होगी।

क्या है मामला ?

शीर्ष अदालत हाईकोर्ट के लिए आवास की तत्काल आवश्यकता के संबंध में बॉम्बे बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नितिन ठक्कर और अन्य बार नेताओं की 29 अप्रैल की पत्र याचिका पर ध्यान देने के बाद अपने स्वतः संज्ञान (अपने स्वयं के) अधिकार क्षेत्र के तहत एक मामले की सुनवाई कर रही थी। बता दें कि मुंबई में बॉम्बे हाईकोर्ट की मौजूदा इमारत 150 वर्ष पुरानी है। इसमें मामले का शीर्षक 'बॉम्बे हाई कोर्ट की विरासत इमारत और हाईकोर्ट के लिए अतिरिक्त भूमि का आवंटन' था। शीर्ष अदालत को पहले सूचित किया गया था कि हाईकोर्ट ने मुंबई के बांद्रा पूर्व में एक भूमि के लिए महाराष्ट्र सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, लेकिन भूमि के कुछ हिस्से पर सरकारी आवास कॉलोनियों का कब्जा है। शुक्रवार को महाराष्ट्र के महाधिवक्ता ने आश्वासन दिया कि अधिकारी हाईकोर्ट के लिए नए भवन के निर्माण की सुविधा के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं और जमीन उपलब्ध कराने के लिए दिसंबर की समय सीमा का पालन किया जाएगा, यह बताते हुए कि यह एक एकीकृत विकास का हिस्सा है और वर्तमान में आदर्श आचार संहिता लागू थी। अदालत ने कहा, ₹योजना बनाने के लिए आपको एमसीसी (हटाने की) की आवश्यकता नहीं है। चुनाव आयोग आपको छूट देगा। आप सितंबर तक 9.64 एकड़ जमीन शीघ्र तैयार कर लें।₹ मामले की सुनवाई में पीठ को आगे बताया गया कि राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के संरचनात्मक ऑडिट का आदेश दिया है और काम जल्द ही शुरू होगा। अदालत को बताया गया कि न्यायालय के लिए वैकल्पिक परिसर के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

भिंडे पर मेहरबान जीआरपी

जीआरपी ने भिंडे की कंपनी को 2021 में चार और अवैध होर्डिंग्स लगाने की अनुमति दी

किरीट सोमैया ने किया दावा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के नेता किरीट सोमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) ने 2021 में घाटकोपर बिलबोर्ड ढहने के मामले में शामिल विज्ञापन कंपनी को मुंबई में चार और 'अवैध' होर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी। सोमैया ने कहा कि ये होर्डिंग्स दादर के तिलक ब्रिज के पास रेलवे पुलिस कॉलोनी में लगाए गए हैं। सोमैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''महाराष्ट्र सरकार की जीआरपी रेलवे पुलिस ने भावेश भिंडे ईजीओ मीडिया को 2021 में चार और होर्डिंग्स लगाने की अवैध अनुमति दी थी।''

'100 करोड़ रुपए कमाए'

पूर्व सांसद सोमैया ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया था कि घाटकोपर होर्डिंग के लिए कोई टेंडर प्रक्रिया नहीं अपनाई गई और सरकार को अनुबंध से लगभग कुछ भी नहीं मिला, जबकि भिंडे ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व कमाया। उन्होंने दावा किया था, ''मेरी जानकारी के अनुसार, गिरे हुए होर्डिंग के पास तीन नई साइटों की पहचान की गई थी, और 12 नए होर्डिंग लगाने का प्रस्ताव था। इन 12 होर्डिंग्स की पूरी टेंडर प्रक्रिया अनियमितताओं में फंसी हुई है । टेंडर प्रक्रिया 10 साल के लिए है लेकिन वर्क ऑर्डर 30 साल के लिए था।''

अभिनेत्री लैला खान की हत्या मामले में सौतेले पिता परवेज को फांसी की मांग

मुंबई। सेशन कोर्ट में शुक्रवार को बॉलीवुड अभिनेत्री लैला खान समेत एक ही परिवार के 6 सदस्यों की हत्या मामले में दोषी सौतेले पिता परवेज टाक को फांसी की सजा की मांग की गई। विशेष सरकारी वकील पंकज चव्हाण ने इस पूरे मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस बताया। उन्होंने दलील दी कि एक पिता ने रिश्ते और परिवार के विश्वास का खून करते हुए लैला खान समेत 6 लोगों की जघन्य हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए उनकी लाश को जला दिया। अतिरिक्त न्यायाधीश सचिन बलवंत पवार के समक्ष दोषी करार दिए गए परवेज टाक की सजा पर सुनवाई हुई। विशेष सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम के लोक सभा का चुनाव लड़ने से उनकी जगह पंकज चव्हाण की नियुक्ति की गई है। विशेष सरकारी वकील चव्हाण ने दलील पेश करने के लिए कुछ समय की मांग की, तो न्यायाधीश पवार काफी नाराज हो गए। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर सरकारी पक्ष गंभीर नहीं है। हम मामले को अधिक समय तक टाल नहीं सकते हैं। इसके बाद विशेष सरकारी वकील चव्हाण ने दलील दी कि परवेज टाक ने अभिनेत्री लैला खान, उनकी मां सेलिना और लैला के चार भाई-बहनों की बेरहमी से हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए उनकी लाश को जला दिया। टाक को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत अन्य अपराधों के अलावा हत्या और सबूतों को नष्ट करने का दोषी पाया गया है। यह रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस है।

क्या था पूरा मामला

2011 में वह अपनी मां शेलिना पटेल और चार भाई-बहनों के साथ लापता हो गई थीं। उनके लापता होने के बाद पूर्व पिता नादिर पटेल ने जांच के लिए ओशिवरा पुलिस से संपर्क किया था। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच के अधिकारी रहे दीपक फटांगरे की जांच में पता चला कि अभिनेत्री लैला, उनकी मां और उनके चार भाई-बहन फरवरी 2011 में नासिक जिले के इगतपुरी स्थित अपने फार्म हाउस में गए थे, जहां परवेज टाक ने अपने कश्मीरी साथी शौकत के साथ लैला खान के पूरे परिवार की हत्या कर दी थी। इस मामले में शौकत अभी भी फरार है।

यस बैंक-डीएचएफएल मामला

बॉम्बे हाईकोर्ट से अविनाश भोसले को मिली जमानत

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट से एबीआईएल ग्रुप के चेयरमैन और पुणे के बिल्डर अविनाश भोसले को जमानत मिल गई। सीबीआई ने 26 मई 2022 में उन्हें यस बैंक-डीएचएफएल मामले में गिरफ्तार किया गया था।उन्होंने 2022 में ही याचिका दायर कर अपनी सीबीआई रिमांड को अवैध घोषित करने के आदेश का अनुरोध किया था। वह याचिका भी लंबित है।

सीबीआई का दावा

सीबीआई ने दावा किया था कि भोसले ने कारोबार के लिए यस बैंक से पैसे लिए थे, लेकिन इसे किसी और काम में लगा दिया। भोसले की भूमिका तब उजागर हुई, जब राणा कपूर द्वारा वधावन बंधुओं के साथ मिलकर कथित तौर पर किए गए घोटाले के मामले की जांच चल रही थी। इस जांच के दौरान यह पता चला कि सैकड़ों करोड़ रुपए का सार्वजनिक धन कथित तौर पर सभी आरोपियों द्वारा निजी लाभ के लिए गबन किया है। कथित तौर पर भोसले ने वधावन के साथ हाथ मिलाकर एक होटल खरीदा था। हिरासत के दौरान वह किसी न किसी अस्पताल में भर्ती रहा। सीबीआई ने अप्रैल 2022 में यस बैंक-डीएचएफएल मामले में संदिग्धों के आवासों और कार्यालयों समेत मुंबई और पुणे में 8 स्थानों पर तलाशी ली थी।

26 मई 2022 को हुई थी गिरफ्तारी

भोसले को सीबीआई ने 26 मई 2022 को गिरफ्तार किया था. उनके खिलाफ डीएचएफएल घोटाले में मामला दर्ज किया गया था. साल 2018 में हजारों करोड़ रुपए एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर किए गए. इसमें बड़े-बड़े उद्योगपतियों की कंपनियां शामिल थीं. इसमें अविनाश भोसले, संजय छाबड़िया, बलवा और गोयनका शामिल थे. यस बैंक के तत्कालीन चेयरमैन राणा कपूर ने डेट सिक्योरिटीज के जरिए डीएचएफएल में 3700 करोड़ रुपए का निवेश किया था. इसमें खुलासा हुआ कि राणा को 600 करोड़ की दलाली मिली थी. डीएचएफएल ने फिर छाबड़िया के रेडियस ग्रुप, भोसले की इंफ्रा लिमिटेड और बलवा और गोयनका की कंपनियों को पैसा दिया.

1 लाख रुपए की जमानत राशि पर जमानत

न्यायमूर्ति एन.जे.जमादार की अवकाशकालीन एकलपीठ ने शुक्रवार को अविनाश भोसले की जमानत याचिका पर फैसला सुनाया। वरिष्ठ वकील आबाद पोंडा ने दलील दी कि याचिकाकर्ता पर आरोप गलत हैं और उसके सभी से वैध व्यापारिक लेनदेन थे। भोसले फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं, लेकिन सेंटर जार्ज अस्पताल में भर्ती हैं। सीबीआई के वकील अवधूत चिमलकर ने उनकी जमानत याचिका का विरोध किया। पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अविनाश भोसले को 1 लाख रुपए की जमानत राशि पर जमानत दे दिया।

पहले ही दिन 22 हजार से ज्यादा आवेदन

आरटीई के तहत दाखिला शुरू

मुंबई। आरटीई के तहत निजी स्कूलों की 25 फीसदी सीटों पर दाखिला शुरू होते ही अभिभावकों का उत्साह फिर लौट आया है। आरटीई के तहत दाखिले के लिए पहले ही दिन खबर लिखे जाने तक 22 हजार से ज्यादा आवेदन हो चुके थे जबकि इससे पहले जब सरकारी स्कूलों के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू की गई थी तो पहले दिन सिर्फ 1711 अभिभावकों ने ही दाखिले के लिए आवेदन किया था। हाईकोर्ट के आदेश के बाद 17 मई से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हुई है जो शुक्रवार 31 मई तक चलेगी।

राज्य के 9136 स्कूलों में 1 लाख 2 हजार 428 सीटें उपलब्ध

इससे पहले सरकारी स्कूलों को प्राथमिकता देते हुए आरटीई के दाखिले की प्रक्रिया शुरू की गई थी जिसे अब रद्द कर दिया गया है। विभाग ने यह भी साफ किया है कि इससे पहले जो आवेदन किए गए थे वह मान्य नहीं होंगे और जिन अभिभावकों ने पहले आरटीई के दाखिले के लिए आवेदन किए थे उन्हें भी अब नए सिरे से आवेदन करने होंगे। आरटीई के तहत दाखिले के लिए राज्य के 9136 स्कूलों में 1 लाख 2 हजार 428 सीटें उपलब्ध हैं।

पुणे में सबसे ज्यादा उत्साह

पुणे में अभिभावकों ने सबसे ज्यादा उत्साह दिखाया है और पहले दिन शाम तक यहां 914 स्कूलों की उपलब्ध 15606 सीटों के लिए 4500 से ज्यादा आवेदन किए जा चुके थे। बता दें कि आरटीई के तहत आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के लोग घर से एक किलोमीटर के दायरे में स्थित निजी स्कूलों की 25 फीसदी सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। विजेताओं का चयन लॉटरी के जरिए किया जाता है। आरटीई के तहत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों की फीस राज्य और केंद्र सरकार मिलकर चुकाते हैं।

कागजात अभी अपलोड करने की जरूरत नहीं

आरटीई के तहत दाखिले के लिए मुंबई में भी 319 स्कूलों में 5670 सीटें उपलब्ध हैं। मुंबई महानगर पालिका के शिक्षा अधिकारी राजेश कंकाल ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करते समय किसी तरह के कागजात अपलोड करने की जरूरत नहीं है। साथ ही जिन विद्यार्थियों का पहले आरटीई के तहत दाखिला हो चुका है।

सुविधा 5 घंटे में पहुंचेंगे मुंबई से गोवा, मुंबई-गोवा हाईवे का काम जून तक पूरा

कोंकणवासियों को मिलेगी राहत

गडकरी ने दी जानकारी

मुंबई। हर वर्ष विशेषकर गणेशोत्सव के दौरान चर्चा में रहने वाले मुंबई-गोवा हाईवे का काम जून तक हो पूरा जाएगा। वर्षों से लंबित मुंबई-गोवा महामार्ग का काम नए सिरे से पूरा होने पर कोंकण वासियों को बड़ी राहत मिलने वाली है। यह जानकारी भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने दी है। उत्तर मध्य मुंबई लोकसभा सीट से उम्मीदवार उज्वल निकम के लिए आयोजित प्रचार रैली में आए गडकरी ने कहा कि मुंबई गोवा हाइवे को लेकर काफी समस्या हुई परंतु अब जल्द ही सब कठिनाई दूर होने वाली है। नितिन गडकरी ने दावा किया है कि चिपलून फ्लाईओवर को छोड़कर मुंबई-गोवा हाईवे का पूरा काम जून के अंत तक पूरा हो जाएगा।

रो रो सेवा शुरू

गडकरी ने कहा है कि हमने कोंकण नागरिकों की मांग के अनुसार बीपीटी से रो रो सेवा शुरू की है। अब आप रो रो से सीधे अलीबाग तक वाहन ले जा सकते हैं। अलीबाग से मुंबई-गोवा हाईवे से जुड़ जाएगा। मुंबई से अलीबाग सड़क मार्ग से साढ़े तीन घंटे और रो-रो मार्ग से 45 मिनट लगते हैं। इससे कोंकण से मुंबई कारोबार के लिए आने वाले व्यापारियों का सफर आसान हो जाएगा। नितिन गडकरी ने कहा कि विरार-दिल्ली हाईवे का काम एनएचआई के जरिए किया जा रहा है। यह हाईवे सीधे जेएनपीटी तक जाएगा। इससे युवाओं के लिए रोजगार पैदा होगा, जिसका लाभ पूरे इलाके को मिलने वाला है।

5 घंटे में मुंबई से गोवा

उल्लेखनीय है कि साल दर साल गणेशोत्सव के दौरान मुंबई-गोवा हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम हो जाता है। कई साल से हाईवे के काम के चलते कई घंटों तक जाम में फंसना पड़ता है। गडकरी ने यह भी कहा है कि मुंबई-गोवा महामार्ग के पूरा होने के बाद मुंबई से गोवा 5 घंटे में पहुंचा जा सकेगा। मुंबई से कोंकण और गोवा जाने वाली भीड़ को देखते हुए मुंबई-गोवा हाइवे को 12 साल पहले ही मंजूरी दी गई थी। इस महामार्ग की दुर्दशा को लेकर अनेक आंदोलन भी हुए। पनवेल के पास पलासपे से इंदापुर तक चार लेन की सड़क का निर्माण राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है।

संपादकीय

चारधाम के इंतजाम

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं के सैलाब से जिस तरह प्रशासनिक व्यवस्थाएं चरमराई हैं, उसने कई सवालों को जन्म दिया है। तीखी गर्मी के बीच लगे कई किलोमीटर लंबे जाम कष्टकारी और जानलेवा साबित हुए हैं। दरअसल, अक्षय तृतीया के दिन दस मई को केदारनाथ, यमनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले थे। उसके ठीक बाद बारह मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलने के बाद तो श्रद्धालुओं का तांता लग गया। स्थिति इतनी विकट हो गई कि पहले पांच दिनों में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु तीर्थों के दर्शन कर चुके थे। इसके अलावा सत्ताईस लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके थे। बताया जाता है कि पिछले साल के मुकाबले इन दिनों में करीब पांच गुना अधिक श्रद्धालु तीर्थस्थलों तक पहुंचे। स्थिति का अनुमान न लगा पाने के कारण व्यवस्था व सुविधाएं अस्त-व्यस्त होकर रह गई। गर्मी के दौरान कई किलोमीटर लंबे जाम में फंसे होने के कारण कुछ लोगों के रास्ते में मरने की खबरें आ रही हैं। जो साफ बताता है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन तीर्थ यात्रियों की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा सका। दरअसल, पारिस्थितिकीय रूप से बेहद संवेदनशील इस हिमालयी क्षेत्र की संरचनाएं बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के दबाव झेलने में सक्षम नहीं हैं। हमारे नीति-नियंताओं ने इस क्षेत्र में भारी-भरकम विकास के नाम पर जो कुछ भी किया वह हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए ही किया। चारधाम ऑल वेदर रोड बनाने के प्रयास तो हुए लेकिन यात्रा को सहज-सुगम बनाने के लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सके। दरअसल, देश के मध्यम वर्ग में आई संपन्नता व बैंकिंग सुविधाओं के चलते वाहनों की खरीद में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लोग बसों आदि के बजाय अपने वाहन लेकर इन तीर्थ स्थलों पर पहुंच रहे हैं। सरकारें भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुगम नहीं बना सकी। जिसके चलते दर्जनों किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें जानलेवा साबित हो रही हैं। हकीकत यह भी है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या का ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सका है। जिसके चलते तीर्थयात्रियों के लिये सुविधाएं भी कम पड़ गई। अफरा-तफरी और कुछ श्रद्धालुओं की मौत के बात शासन-प्रशासन जागा है। फिर आनन-फानन में दर्शन के इच्छुक तीर्थयात्रियों की संख्या को सीमित किया गया। दरअसल, तीर्थयात्रियों का दबाव कम करने हेतु यात्रा के लिये होने वाले नामांकन को भी फिलहाल टाला गया है। लेकिन इस नियमन का असर ये हुआ कि मैदानी इलाकों से चारधाम यात्रा के लिये निकले यात्री बीच के पहाड़ी इलाकों में फंस गये, जहां उनके ठहरने के लिये पर्याप्त व गुणवत्ता की सुविधाए नहीं हैं। जिससे यात्रियों के कष्टों में इजाफा ही हुआ है। दरअसल, वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी से सबक लेकर तीर्थयात्रियों के नियमन के लिये जो कदम उठाये जाने चाहिए थे, उनको लेकर गंभीरता नजर नहीं आयी है। वहीं दूसरी ओर गर्मी शुरू होते ही लोगों में पहाड़ों की तरफ निकलने का चलन आम हो गया है। बच्चों की स्कूलों में छुट्टियां होने के चलते तमाम लोग पहाड़ी इलाकों के सैर सपाटों के लिये भी निकलते हैं। लेकिन पहाड़ी इलाकों की अपनी सीमाएं हैं। जो सड़कें कभी सीमित वाहनों के लिये बनी थी, वे कारों का सैलाब नहीं झेल पा रही हैं। एक समय इन इलाकों में ऐसी व्यवस्था होती थी कि जब ऊपर से वाहन निकल जाते थे तब नीचे के वाहनों को ऊपर जाने की अनुमति मिलती थी। मौजूदा समय में भी यात्रियों व वाहनों की संख्या का नियमन व संतुलन करना होगा। तीर्थयात्रियों को भी ध्यान रखना चाहिए कि इन तीर्थस्थलों के कपाट नवंबर माह तक खुले रहेंगे। यात्रियों के दबाव को देखते हुए आने वाले महीनों में भी यात्रा का कार्यक्रम बनाया जा सकता है। साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी युद्धस्तर पर यात्रा कार्यक्रम को संचालित करना होगा ताकि तीर्थयात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उत्तराखंड सरकार को भी सोचना होगा कि राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले तीर्थाटन को सुनियोजित ढंग से संचालित करने में संवेदनशील दृष्टि दिखाए। अन्यथा ये श्रद्धालु राज्य से अच्छा संदेश लेकर नहीं जाएंगे।

प्रत्येक युवा हेतु प्रशिक्षुता अधिकार सुनिश्चित हो

संतोष मेहरोत्रा

कांग्रेस ने 2024 के आम चुनाव के जारी अपने घोषणा पत्र में उच्चतर सर्टिफिकेट, डिग्री, डिप्लोमाधारी तमाम युवाओं को प्रशिक्षुता का अधिकार देने का वादा किया है। यह संकल्प 25 वर्ष से नीचे के सभी युवाओं को उन जगहों पर प्रशिक्षण और रोजगार की गारंटी सुनिश्चित करता है जहां पर वे प्रशिक्षु रहते हुए कौशल सीखेंगे। यह प्रारूप जर्मनी के कौशल मॉडल सिद्धांत पर आधारित है (जहां स्कूली शिक्षा पाने के दौरान छात्रों को किसी न किसी काम का कार्यानुभव करवाया जाता है)। भारत में व्यवसायिक कौशल परिदृश्य सदा से आपूर्ति-संचालित रहा है, जिसमें विद्यार्थी को शिक्षा तो मिलती है लेकिन असल मायने में कोई व्यावसायिक कौशल नहीं सिखाया जाता। इस व्यवस्था में, रोजगार प्रदाताओं का उनसे न तो कोई सीधा संपर्क होता है न ही उन्हें प्रशिक्षु-कामगार रखने की जरूरत महसूस होती है। यह स्थिति भारत में सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम की कारगुजारी की समीक्षा करने की जरूरत दर्शाती है और यह भी कि क्योंकर प्रशिक्षुता का अधिकार सुधार लाने की दिशा में एक सही कदम होगा। भारत में 2000 के दशक तक, लगभग आधी सदी तक व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण का क्षेत्र उपेक्षित रहा है (यह भारत की योजना नीतियों में समुचित स्कूली शिक्षा पर ध्यान न देने जैसा है) जिसकी कीमत आज हम चुका रहे हैं। वर्ष 1991 में, जब भारत में आर्थिक सुधार होने शुरू हुए, साक्षरता दर 51 प्रतिशत थी, अर्थात् भारत की कुल आबादी का आधा हिस्सा अनपढ़ था और यह तबका अधिकांशतः कृषि क्षेत्र में केंद्रित था। हालांकि 1990 के दशक में स्कूली शिक्षा पर अधिक खर्च करने के रूप में नए सिरे से जोर देना शुरू हुआ परंतु शिक्षा के साथ व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण देना फिर भी उपेक्षित बना रहा (हालांकि उच्च तकनीकी शिक्षा में ऐसा नहीं था)। 11वीं पंचवर्षीय योजना (2007-12) पहली ऐसी थी जिसमें कौशल विकास के विषय पर एक अलग से अध्याय था। परिणामस्वरूप, भारत का उत्पादन क्षेत्र एवं सेवा श्रम बल की संरचना आज भी निम्न शिक्षा वालों से बनी है। बदतर स्थिति यह कि राष्ट्रीय सैम्पल सर्वे विभाग का रोजगार-बेरोजगारी अध्ययन 2011-12 बताता है कि श्रम बल का महज 2.2 प्रतिशत हिस्सा औपचारिक प्रशिक्षु श्रेणी से है। आवधिक श्रम बल सर्वे के आंकड़े दर्शाते हैं कि औपचारिक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त श्रमिकों की संख्या वर्ष 2011-12 में 2.2 फीसदी थी (1 करोड़ 43 लाख) जो 2017-18 में घटकर 2 प्रतिशत (91 लाख 40 हजार) रह गई। लेकिन अगले पांच साल यानी 2022-23 में यह 3.7 फीसदी (2 करोड़ 5 लाख) हो गई। इसलिए, जिन्हें हम व्यावसायिक रूप से प्रशिक्षित कह सकते हैं, वे कहां से आन जुड़े? आवधिक श्रमबल सर्वे-2017-18 बताता है कि कुल व्यावसायिक प्रशिक्षुओं में 22 फीसदी वह थे जिन्होंने 6 माह से कम अवधि का कोर्स किया हो, अब यह अंश बढ़कर 37 प्रतिशत हो गया है। अधिक चिंताजनक यह कि 2017 में 29 फीसदी प्रशिक्षु ऐसे थे जिन्होंने दो साल या अधिक अवधि के कोर्स किए थे, जो अब घटकर 14.29 फीसदी रह गए हैं। भारत कौशल मिशन नामक कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षुता अवधि बहुत कम है (कुछ मामलों में तो महज 10 दिन)। वर्ष 1961 से भारत का अपना प्रशिक्षुता अधिनियम है, जिसके तहत तमाम पंजीकृत कंपनियों और उद्यमों के लिए जरूरी है कि वे अपने यहां एक साल या उससे अधिक अवधि के लिए प्रशिक्षु रखें ताकि वे नौकरी पर रहते हुए व्यावयायिक दक्षता हासिल कर पाएं। दस साल पहले गैर-कृषि उद्यम वर्ग में लगभग 2,50,000 पंजीकृत प्रशिक्षुक थे। अगस्त, 2016 में, भारत सरकार ने राष्ट्रीय प्रशिक्षुता प्रोत्साहन योजना शुरू की, जिसके लिए 10,000 करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया। हालांकि इसका उद्देश्य था कि वर्ष 2020 तक 50 लाख युवा प्रशिक्षु बनकर कौशलयुक्त हो सकेंगे लेकिन 2022 तक 20 लाख ही बन पाए। 2017 से 2022 के बीच, इस योजना के लिए रखे गए 10,000 करोड़ रुपये में केवल 650 करोड़ रुपये ही राज्यों को मिले। 2023 में राष्ट्रीय प्रशिक्षुता योजना-2 शुरू की गई, लेकिन इसके आंकड़े फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं।

2022 में आए अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के एक अध्ययन का निष्कर्ष था कि 1961 वाले अधिनियम में किए गए संशोधन भारत में प्रशिक्षुओं की संख्या में बढ़ोतरी करने में सहायक रहे। 2022-23 में कुल 57 करोड़ श्रम बल में औपचारिक प्रशिक्षुता वर्ग में आने वालों की गिनती केवल 5 लाख के आसपास थी, हालांकि दस साल पहले यह संख्या 2.5 लाख थी। स्पष्ट है कि संशोधनों का परिणाम चमत्कारी नहीं रहा। इसमें हैरानी नहीं होनी चाहिए, क्योंकि लगभग संपूर्ण निजी कॉर्पोरेट सेक्टर अपने यहां प्रशिक्षुता योजना लागू करने के प्रति ज्यादातर उदासीन रहा है। केवल केंद्रीय और राज्यों के सरकारी उद्यम इस अनिवार्यता को पूरा करने में यत्न करते दिखाई देते हैं। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तो अभी भी इस योजना से आंखें फेरना जारी रखे हुए हैं। नतीजतन, जहां जर्मनी के कुल 4 करोड़ 60 लाख श्रमबल में से कम से कम 60 लाख प्रशिक्षु श्रेणी से हैं, वहीं भारत में इनकी गिनती केवल 5 लाख है। यह अंतर उद्यम/नियोक्ता की रोजगार पूर्व प्रशिक्षण में भागीदारी के स्तर की वजह से है, जो भारत को आपूर्ति-संचालित बनाता है, जबकि दुनियाभर में व्यावसायिक प्रशिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम मांग-संचालित हैं। भारत में प्रति वर्ष श्रम बल में 60 लाख नये रोजगार अभिलाषियों के जुड़ने और पहले से 10 करोड़ से अधिक खाली बैठे युवाओं के चलते (जो न तो शिक्षा क्षेत्र में हैं न ही किसी नौकरी या प्रशिक्षण में) जिस चीज़ की फौरी जरूरत है, वह है उनकी शिक्षा के हिसाब से काम मिलना, फिर चाहे यह शिक्षा सामान्य प्रवृत्ति वाली हो या व्यावसायिक या फिर तकनीकी। इसके लिए जरूरत है केंद्रीय सरकार के गंभीर चिंतन और नियोक्ताओं/उद्योग जगत को साथ जोड़कर कौशल विकास प्रक्रिया फौरी शुरू करवाने की। यह फौरी जरूरत निम्न तथ्यों से बनती है : भारत कौशल रिपोर्ट 2021 की दलील है कि भारत में स्नातक स्तर की शिक्षा प्राप्त युवाओं में लगभग आधे खाली बैठे हैं। वर्ष 2012 में मुक्त बेरोजगारी लगभग 2.1 फीसदी थी जो 2018 में तीन गुणा बढ़कर 6.1 प्रतिशत हो गई, यह दर पिछले 45 सालों के सर्वे में उच्चतम है। शिक्षित बेरोजगार, कौशल कार्यक्रम के प्रति अनिच्छुकता, घटिया दर्जे का प्रशिक्षण और पढ़ाई उपरांत नौकरी मिलने की नगण्य दर के आलोक में कौशल परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन करना एक त्वरित आवश्यकता बन गई है। केवल बड़ी-बड़ी बातें करने और बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए सरकारी आंकड़ों से काम नहीं बनने वाला। सरकार के लिए गिनती की बजाय गुणवत्ता को तरजीह देना लाजिमी हो ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इन कार्यक्रमों से निकलकर आया हर कोई श्रम बल में अर्थपूर्ण योगदान कर पाए। कौशल विकास नीतियां और कार्यक्रम विफल सिद्ध हुए हैं, उनमें स्विट्ज़रलैंड और जर्मनी के मॉडल की तर्ज पर आमूलचूल सुधार करने की आवश्यकता है, जिसमें युवा और उद्योग को ध्यान के केंद्र में रखा जाता है। प्रत्येक युवा के लिए प्रशिक्षुता का अधिकार सुनिश्चित करना एक फौरी तरजीह हो।

सहज योग

भारतीय और पश्चिम संस्कृति

मेरा मतलब है कि यह भारत में बिल्कुल उल्टा है। यहां उनका अपने बच्चों के लिए कोई कर्तव्य नहीं है। वे अमीर लोग हैं, वे आपकी जरूरतों का ख्याल नहीं रखते, कुछ भी नहीं।

यह जीवन का एक बहुत ही जोखिम भरा प्रकार है। और उस जोखिम में पहली चोट तब आती है जब वे अपने माता-पिता को छोड़ देते हैं। उनके प्रति माता-पिता के रवैये के कारण उन्हें खामियाज़ा भुगतना पड़ता है। और अमेरिका में माता-पिता, मुझे आश्चर्य हुआ, वास्तव में अपने बच्चों के प्रति बिल्कुल भी दयालु नहीं हैं। उनके पास केवल अधिकार हैं, उनका कोई कर्तव्य नहीं है, मुझे एस लगता है। मेरा मतलब है कि यह भारत में बिल्कुल उल्टा है। यहां उनका अपने बच्चों के लिए कोई कर्तव्य नहीं है। वे अमीर लोग हैं, वे आपकी जरूरतों का ख्याल नहीं रखते, कुछ भी नहीं। दूसरे दिन किसी ने मुझे एक कहानी सुनाई कि अगर बेटा पार्टी कर रहा है या कुछ और और वह अपने दोस्तों के साथ आनंद ले रहा है, तो अगर वह थोड़ा जोर से संगीत बजाता है, तो दूसरे घर में मां पुलिस को बुलाती है और उनसे इस शख्स को गिरफ्तार करने के लिए मांग करती है। मैं भारत में इस व्यवहार की कल्पना भी नहीं कर सकती।

इसके विपरीत अगर मां को पता है कि लड़कों की पार्टी होने वाली है तो वह उनके लिए कुछ अच्छा तैयार करने और उन्हें खुश करने के लिए पूरी तरह से लग जाएगी और वह वहां से गायब हो जाएगी ताकि उसके आयु वर्ग के लोग आनंद ले सके। यह भारत में एक बहुत ही सामान्य प्रथा है। मुझे लगता है, युद्ध के कारण ऐसी बहुत सी चीजें अंदर रेंग कर आ चुकी हैं। युद्ध के कारण आपके माता-पिता परेशान हो गए और वे परेशान हो गए। आइए इसके बारे में उनकी कुछ प्रशंसा भी करें। तो वे सभी बहुत टूटे हुए और परेशान थे और उनकी नसें चटक गई थीं। आइए इसे ऐसे ही मान लें। तब तथाकथित, भौतिक उन्नति, आपके औद्योगिक विकास के माध्यम से आई। ठीक है। इससे उन पर भी ऐसा दबाव बन जाता है। मेरा मतलब है कि अगर किसी के पास टीवी है, तो आपके पास टीवी होना चाहिए। यदि आपके पास टीवी नहीं है, तो आप एक गए गुज़रे व्यक्ति हैं। अगर उसके पास कुछ प्लास्टिक है, तो आपके पास कुछ प्लास्टिक होना चाहिए। उनके पास कुछ नाइलॉन हैं; आपके पास कुछ नाइलॉन होना चाहिए। देखिए, हर समय इन चीजों को जमा करने की होड़ थी। और वे इन फालतू चीज़ों को अधिक से अधिक बनाने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि वे मशीने भूखी चीजें हैं, आप जानते हैं।

इसलिए, वे सारी धरती माता का उपभोग कर रहे थे और इसे इन सभी निरर्थक चीजों में परिवर्तित कर रहे थे, जिनके अब पहाड़ बन गए है। और यह आपके लिए एक बड़ी समस्या है कि इनका निपटारा कैसे किया जाए। और घरों के लोग इस तरह के एक निरर्थक खोज में दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश कर रहे थे। आप देखिए, आपके लिए यह पूरी बात एक अराजकता थी।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत — एच. डी. देवगौड़ा

बोलते कम, समझते सब थे

हरदनहल्ली डोड्डेगौड़ा देवेगौड़ा की अगुवाई में जनता दल ने 1994 के राज्य विधानसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्ता हासिल की थी। उनकी सरकार के कार्यकाल में अपने काम से मतलब रखने वालों में की गिनती होती थी। हरदनहल्ली डोड्डागौड़ा देवगौड़ा की अगुवाई के लिए के विपक्षी दलों के लोग भी उनकी जमकर तारीफ करते थे। देवगौडा के बारे में कहा जाता है कि वह ज्यादा बोलते नहीं थे, हालांकि समझते सब थे।

18 मई 1933 को कर्नाटक के हॉलनसारिपीली तालुक में जन्में देवगौड़ा अपने सार्वजनिक जीवन में हमेशा लोगों के हित के बारे में ही सोचा करते थे। यहां तक कि 1996 में प्रधानमंत्री बनने के बाद जब देवगौड़ा को देश की सेवा का मौका मिला तो उन्होंने लोगों के हित के लिए कई कदम उठाए। पत्रकार सुगाता श्रीनिवासराजू ने अपनी किताब फरोज इन अ फील्ड- द अनएक्स्प्लोर्ड लाइफ ऑफ एचडी देवगौड़ा में लिखा है कि एक विधायक और सांसद रूप में देवगौड़ा ने कभी सदन की मर्यादा का नहीं किया। केवल एक बार अपने राजनीतिक करियर में उन्होंने खुद पर लागू किए गए इस सिद्धांत का उल्लंघन किया था और वह इसलिए क्योंकि उन्हें किसानों की भलाई को लेकर खतरा महसूस हो रहा था। इस किताब में 31 जुलाई और एक अगस्त 1991 को लोकसभा में हुई घटना का भी जिक्र किया गया है कि कैसे मनमोहन सिंह के पहले बजट पर एक तीखी चर्चा के दौरान सरकार पर कृषि क्षेत्र में सब्सिडी समाप्त करने से जुड़े फैसले को वापस लेने के लिए देवेगौड़ा दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे। यहां तक कि इसके लिए वे स्पीकर के सामने पहुंच गये थे। उन्होंने यहां कहा था, ''मैं एक किसान का बेटा हूं और इसकी इजाजत कभी नहीं दूंगा। मैं धरने दूंगा और इस सदन से बाहर नहीं जाऊंगा। मैं जो कुछ कर रहा हूं, यह प्रचार के लिए नहीं है।'' किताब में लिखा गया है कि, जब पूरे भारत में किसानों की आत्महत्या की खबरें ज्यादा आ रही थीं, तब गौड़ा कर्नाटक के लगभग दो हजार किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल को ट्रेन से दिल्ली ले गए। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ उनकी मीटिंग कराई। इस किताब में कहा गया है, ''यह अभूतपूर्व था, खासकर तब जब एक पूर्व प्रधानमंत्री के लिए इस तरह से विरोध करना। दिल्ली में इसे देख हर कोई चौंक गया था। श्रीनिवासराजू ने किताब में लिखा है, ऱकिसानों के प्रति गौड़ा की आजीवन प्रतिबद्धता, और कृषक समुदाय के प्रति उनकी नीतिगत पहल और 1996-97 के शानदार किसान समर्थक बजट के लिए, पंजाब के किसानों ने उस समय के धान की बेहतरीन किस्मों में से एक का नाम 'देवगौड़ा' रखा। जब उन्होंने प्रधान मंत्री के रूप में कार्यालय छोड़ा। उन्होंने लिखा, "स्वयं गौड़ा, जो आमतौर पर काफी जानकार हैं, धान की इस किस्म के बारे में नहीं जानते थे। उन्हें इसके बारे में तब पता चला जब कर्नाटक कैडर के पंजाब आईएएस अधिकारी चिरंजीव सिंह ने 2014 में एक कन्नड़ अखबार में एक कॉलम में इसके बारे में लिखा। पुस्तक में यह भी बताया गया है कि कैसे 1996 में, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत ने मुजफ्फरनगर में एक बैठक में देवेगौड़ा को 'दक्षिण के चौधरी चरण सिंह' के रूप में सम्मानित किया। देवेगौड़ा करीब सात दशकों से सार्वजनिक जीवन में हैं। उन्होंने होलेनरसीपुरा तालुक विकास बोर्ड के सदस्य के रूप में शुरुआत की और 1996 में भारत के 11 वें प्रधान मंत्री के रूप में शीर्ष स्थान पर पहुंचे।

जीवन ऊर्जा

बर्ट्रेंड रसेल : जन्म 18 मई 1872 — जन्म

शिक्षा नई दुनिया की कुंजी है

बर्ट्रेंड रसेल एक ब्रिटिश दार्शनिक, तर्कशास्त्री और सामाजिक आलोचक थे, जो विश्लेषणात्मक दर्शन में अपने काम और गणित और तर्क में योगदान के लिए प्रसिद्ध थे। नोबेल पुरस्कार विजेता, उन्होंने शांतिवाद, शिक्षा और सामाजिक सुधार का समर्थन किया, जिसने 20वीं सदी के विचारों को गहराई से प्रभावित किया। बर्ट्रेंड रसेल का जन्म 18 मई 1872 को हुआ था और उनकी मृत्यु 2 फरवरी 1970 को हुई थी।

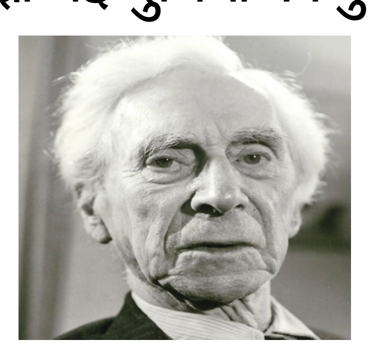

हदुनिया की पूरीसमस्या यह है कि मूर्ख और कट्टरपंथी हमेशा खुद के बारे में इतने आश्वस्त होते हैं,और समझदार लोग संदेह से भरे होते हैं। शिक्षा नई दुनिया कीकुंजी है। सावधानी के सभीरूपों में से, प्यार मेंसावधानी शायद सच्ची खुशी के लिए सबसे घातक है। विज्ञान वह है जो आप जानते हैं। दर्शन वह है जोआप नहीं जानते। कुछ ऐसी चीज़ों के बिना रहना जो आप चाहते हैं, खुशी का एक अनिवार्य हिस्सा है। धर्म हमारी बुद्धि केबचपन से बचा हुआ कुछ है, यह तब फीका पड़जाएगा जब हम तर्क और विज्ञान को अपने दिशा-निर्देशों के रूप में अपना लेंगे। अच्छा जीवन वह है जोप्रेम से प्रेरित हो और ज्ञान द्वारा निर्देशित हो। युद्ध यह निर्धारित नहीं करता कि कौन सही है -केवल यह निर्धारित करता है कि कौन बचा है। तर्क एक रचनात्मक शक्ति के बजाय एकसामंजस्यपूर्ण, नियंत्रित करनेवाली शक्ति है। भय अंधविश्वास और क्रूरता का एक मुख्य स्रोत है। भय पर विजय पाना ही ज्ञान कीशुरुआत है। सामान्य रूप सेस्वतंत्रता को इच्छाओं की प्राप्ति में बाधाओं की अनुपस्थिति के रूप में परिभाषितकिया जा सकता है। दुनिया के साथ परेशानी यह है कि मूर्ख लोग निश्चित होते हैं और बुद्धिमान लोगसंदेह से भरे होते हैं। प्रेम और ज्ञान दोनों आवश्यक हैं, लेकिन प्रेम अधिक मौलिक है, क्योंकि यह जानने की इच्छा को जन्म देगा। केवल एक चीज़ जो मानवजाति को मुक्ति दिला सकती है वह है सहयोग। दर्शन, अन्य सभी अध्ययनों की तरह, मुख्य रूप सेज्ञान पर केंद्रित है। किसी भी चीज़ से ज़्यादा, संपत्ति के प्रति जुनून ही हमें स्वतंत्र और महान जीवन जीनेसे रोकता है। मनुष्य अज्ञानीपैदा होते हैं, मूर्ख नहीं।उन्हें शिक्षा द्वारा मूर्ख बनाया जाता है। डर पर विजय पाना ही बुद्धिमत्ता की शुरुआत है।

प्रेरक प्रसंग

कवि और धनवान आदमी

एक दिन एक कवि किसी धनी आदमी से मिलने गया और उसे कई सुंदर कविताएं इस उम्मीद के साथ सुनाईं कि शायद वह धनवान खुश होकर कुछ ईनाम जरूर देगा। लेकिन वह धनवान भी महाकंजूस था, बोला, ''तुम्हारी कविताएं सुनकर दिल खुश हो गया। तुम कल फिर आना, मैं तुम्हें खुश कर दूंगा।'' 'कल शायद अच्छा ईनाम मिलेगा।' ऐसी कल्पना करता हुआ वह कवि घर पहुंचा और सो गया। अगले दिन वह फिर उस धनवान की हवेली में जा पहुंचा। धनवान बोला, ''सुनो कवि महाशय, जैसे तुमने मुझे अपनी कविताएं सुनाकर खुश किया था, उसी तरह मैं भी तुमको बुलाकर खुश हूं। तुमने मुझे कल कुछ भी नहीं दिया, इसलिए मैं भी कुछ नहीं दे रहा, हिसाब बराबर हो गया।'' कवि बेहद निराश हो गया। उसने अपनी आप बीती एक मित्र को कह सुनाई और उस मित्र ने बीरबल को बता दिया। सुनकर बीरबल बोला, ''अब जैसा मैं कहता हूं, वैसा करो। तुम उस धनवान से मित्रता करके उसे खाने पर अपने घर बुलाओ। हां, अपने कवि मित्र को भी बुलाना मत भूलना। मैं तो खैर वहां मैंजूद रहूंगा ही।'' कुछ दिनों बाद बीरबल की योजनानुसार कवि के मित्र के घर दोपहर को भोज का कार्यक्रम तय हो गया। नियत समय पर वह धनवान भी आ पहुंचा। उस समय बीरबल, कवि और कुछ अन्य मित्र बातचीत में मशगूल थे। समय गुजरता जा रहा था लेकिन खाने-पीने का कहीं कोई नामोनिशान न था। वे लोग पहले की तरह बातचीत में व्यस्त थे। धनवान की बेचैनी बढ़ती जा रही थी, जब उससे रहा न गया तो बोल ही पड़ा, ''भोजन का समय तो कब का हो चुका ? क्या हम यहां खाने पर नहीं आए हैं ?'' ''खाना, कैसा खाना ?'' बीरबल ने पूछा। धनवान को अब गुस्सा आ गया, ''क्या मतलब है तुम्हारा ? क्या तुमने मुझे यहां खाने पर नहीं बुलाया है ?'' ''खाने का कोई निमंत्रण नहीं था। यह तो आपको खुश करने के लिए खाने पर आने को कहा गया था।'' जवाब बीरबल ने दिया। धनवान का पारा सातवें आसमान पर चढ़ गया, क्रोधित स्वर में बोला, ''यह सब क्या है? इस तरह किसी इज्जतदार आदमी को बेइज्जत करना ठीक है क्या ? तुमने मुझसे धोखा किया है।'' अब बीरबल हंसता हुआ बोला, ''यदि मैं कहूं कि इसमें कुछ भी गलत नहीं तो। तुमने इस कवि से यही कहकर धोखा किया था ना कि कल आना, सो मैंने भी कुछ ऐसा ही किया। तुम जैसे लोगों के साथ ऐसा ही व्यवहार होना चाहिए।'' धनवान को अब अपनी गलती का आभास हुआ और उसने कवि को अच्छा ईनाम देकर वहां से विदा ली।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

भगवान् श्रीकृष्ण के जन्म की काल गणना

भाग-2

हिंदू-कालगणनानुसार द्वापरयुग 2,400 दिव्य वर्षों का एवं 8,64,000 मानव-वर्षों का होता है। वर्तमान समय में ब्रह्मा के द्वितीय परार्ध के 7वें वैवस्वत मन्वन्तर के 28वें चतुर्युग के कलियुग के प्रथम चरण का 5123वाँ वर्ष चल रहा है। भगवान् श्रीकृष्ण का जन्म वैवस्वत मन्वन्तर के 28वें चतुर्युग के द्वापर के अन्त होने के लगभग 126 (125 वर्षों से कुछ अधिक) वर्ष पूर्व हुआ था जो द्वापरयुग का अन्तिम चरण है। भविष्यमहापुराण (उत्तरपर्व, 101.6) के अनुसार कलियुग का प्रारम्भ माघ शुक्ल पूर्णिमा को हुआ था। माघे पंचदशी राजन्कलिकालदिरुच्यते।

आर्यभट (476-550) के अनुसार 28वें कलियुग का प्रारम्भ 3102 ई.पू. में हुआ था। उन्होंने स्पष्ट लिखा है : '3 युग (सत्ययुग, त्रेतायुग और द्वापरयुग) और कलियुग के 60x60 (=3600) वर्ष बीत चुके हैं और इस समय उन्हें जन्मे 23 वर्ष हुए हैं'। षष्ट्यब्दानां षष्ठियादाव्यतीतास्त्रयश्च ुगपादाः। त्र्यधिकविंशति रब्दास्तदेह मम जन्मनोऽतीताः।। (आर्यभटीयम्, कालक्रियापाद, 10) उपर्युक्त श्लोक का तात्पर्य यह है कि आर्यभट्ट ने 23 वर्ष की आयु में उपर्युक्त श्लोक की रचना की है। आर्यभट्ट का जन्म मेष-संक्रांति, 476 ई. में हुआ था। इस प्रकार उपर्युक्त रचना 476+23=499 ई. की है। तब कलियुग का 3601वाँ वर्ष चल रहा था। इस प्रकार कलियुग का प्रारम्भ 3601-499=3103 ई.पू. में हुआ था। भास्कराचार्य द्वितीय (1114-1185) ने लिखा है : 'छः मन्वन्तर और 7वें मन्वन्तर के 27 चतुर्युग बीत चुके हैं, जो 28वाँ चतुर्युग चल रहा है, उसके भी 3 युग बीत चुके हैं और जो चौथा कलियुग चल रहा है, उसके भी शालिवाहन-संवत् तक 3,180 वर्ष गुजर चुके हैं।

याताः षण्मन्वो युगानि भमितान्यन्यद्युगांघि त्रयं। नन्दाद्रीन्दुगुणास्तथा शकनृपस्यान्ते कलेर्वत्सराः।। (सिद्धान्तशिरोमणि, मध्यमाधिकार, कालमानाध्याय, 28) शालिवाहन संवत् का प्रारम्भ 78 ई. में उज्जयिनी-नरेश शालिवाहन (शासनकाल : 46-106 ई.) ने किया था और वर्तमान में शालिवाहन संवत् (2023-80 = 1945) चल रहा है। अतः, (1943+3180) 5123 वर्ष कलियुग- के बीत चुके हैं (और 5123वाँ वर्ष चल रहा है)। इस दृष्टि से भी कलियुग का प्रारम्भ (5123-2021) = 3102 ई.पू. में सिद्ध होता है। इस प्रकार (28वें) कलियुग का प्रारम्भ बहुधान्य संवत्सर में माघ शुक्ल पूर्णिमा, तदनुसार 18 फरवरी, शुक्रवार, 3102 ई.पू. को दोपहर 2 बजकर 27 मिनट और 30 सैकंड पर हुआ था, जब सात नक्षत्र एक ही राशि में एकत्र हो गए थे— यह तथ्य पुराणसम्मत, इतिहाससम्मत, ज्योतिर्विज्ञानसम्मत है। भारतवर्ष में प्रकाशित होनेवाले सारे पञ्चाङ्गों में 'कलि संवत्' लिखा होता है, जिसे गणना करके देखा जा सकता है। ग्रामण (दक्षिणी अर्काट) से प्राप्त एक चोल-अभिलेख पर कलि-वर्ष 4044 और कलि-दिन 14,77,037 अंकित है, जिसकी संगति 14 जनवरी, 943 ई. के साथ स्थापित होती है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

1967 में इस सीट पर कांग्रेस के एसजी बर्वे चुनाव जीते, इसी साल यहां उपचुनाव हुआ जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी तारा गिविंद सप्रे विजयी हुए।

1977 और 1988 में इस सीट पर जनता पार्टी ने कब्जा किया और पार्टी के प्रत्याशी सुब्रमण्यम स्वामी सांसद बने।

सत्ता संग्राम | पांचवां चरण (महाराष्ट्र): उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा सीट

भाषाई और धार्मिक ध्रुवीकरण बनाएगा कोटेचा की राह को मुश्किल

मुलुंड से लेकर शिवाजीनगर-मानखुर्द तक फैले उत्तर पूर्व मुंबई संसदीय क्षेत्र में मराठी-गुजराती भाषाई और हिंदू-मुस्लिम धार्मिक विवाद से पूरी तरह भाषाई और धार्मिक विवाद में तब्दील हो चुके इस मुकाबले का नतीजा यह इस पर निर्भर करेगा कि ध्रुवीकरण से किसे लाभ होता है। मुलुंड में धारावी परियोजना पीड़ितों के पुनर्वास के मुद्दे पर बीजेपी को लगातार सफाई देनी पड़ रही है और यह लड़ाई आसान नहीं है क्योंकि बीजेपी के गढ़ में यह मुद्दा गंभीर हो गया है। उत्तर पूर्व मुंबई सीट पर बीजेपी के मिहिर कोटेचा और शिवसेना ठाकरे के संजय दीना पाटिल के बीच मुकाबला है। उत्तर पूर्व मुंबई एक ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जो भाजपा के लिए अनुकूल है। लेकिन 2019 में पार्टी ने मौजूदा सांसद किरीट सोमैया और अब मनोज कोटक की जगह मिहिर कोटेचा को उम्मीदवार बनाया है। शिवसेना ने अपने अभियान में इस बात पर जोर दिया है कि सांसदों की नाराजगी या पार्टी नेतृत्व के प्रति अविश्वास के कारण मौजूदा सांसदों को हर चुनाव में उम्मीदवारी से वंचित कर दिया जाता है।

बीजेपी की राह आसान नहीं

मुंबई में किसी भी चुनाव में भाषाई बहस रहता ही है है। लेकिन यह हमेशा सुप्त रहता है। घाटकोपर में गुजराती बहुल इमारतों में शिवसेना कार्यकर्ताओं को चुनाव प्रचार करने से रोका गया। ये तो बहुत साधारण सी बात है। लेकिन यह मराठी बनाम गुजराती में तब्दील हो गया। परिणाम वही हुआ जो होना था। इस वजह से निर्वाचन क्षेत्र में मराठी और गुजराती के बीच विभाजन देखा जा रहा है। पूर्वोत्तर मुंबई में ठाकरे समूह की अच्छी ताकत है, इस साल शिवसेना बीजेपी के साथ नहीं है। इसके अलावा मराठी-गुजराती विवाद का छिपा असर, शिवाजीनगर-मानखुर्द में अल्पसंख्यक वोटों के खिलाफ जाने से बीजेपी के लिए यह लड़ाई आसान नहीं होगी। यही वजह है कि मुलुंड में वोटों की कमी को पूरा करने के लिए घाटकोपर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो आयोजित किया गया।

पीएम मोदी के करिश्मे पर निर्भर हैं कोटेचा

मुलुंड में धाराविकरों का पुनर्वास अभियान में एक प्रमुख मुद्दा रहा है। मुलुंड पूर्व में धारावी और अन्य परियोजनाओं से प्रभावित लोगों को मुलुंड में फिर से बसाने की योजना है। हालांकि भाजपा ने इसके खिलाफ आवाज उठाई है, लेकिन लोगों को यह पक्की समझ है कि मुलुंड में जमीन परियोजना पीड़ितों को महागठबंधन सरकार द्वारा दी जाएगी, जो अडानी के लिए लाल कालीन बिछा रही है। यही कारण है कि मिहिर कोटेचा को हर बैठक में यही मुद्दा उठाना पड़ता है। कोटेचा पूरी तरह से मोदी के करिश्मे पर निर्भर हैं।

राजनीतिक इतिहास

1967 में इस सीट पर कांग्रेस के एसजी बर्वे चुनाव जीते, इसी साल यहां उपचुनाव हुआ जिसमें कांग्रेस प्रत्याशी तारा गिविंद सप्रे विजयी हुए। 1971 में भी यह सीट कांग्रेस के कब्जे में रही और राजाराम गोपाल कुलकर्णी सांसद बने। 1977 और 1988 में इस सीट पर जनता पार्टी ने कब्जा किया और पार्टी के प्रत्याशी सुब्रमण्यम स्वामी सांसद बने। 1984 में कांग्रेस लहर में इस सीट पर पार्टी प्रत्याशी गुरुदास कामत सांसद बने।

कांग्रेस-बीजेपी में चला हार-जीत का खेल

1989 के बाद यह सीट कांग्रेस और बीजेपी के लिए हार-जीत का मैदान बन गई। 1989 में इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी की जयवंतीबेन मेहता चुनाव जीता। 1991 में कांग्रेस के गुरुदास कामत सांसद चुने गए। 1996 में फिर से बीजेपी इस सीट को हासिल करने में कामयाब हुई और पार्टी के प्रत्याशी प्रमोद महाजन चुनाव जीते। 1998 में फिर से कांग्रेस प्रत्याशी गुरुदास कामत चुनाव जीते। 1999 में बीजेपी ने फिर इस सीट को हासिल किया पार्टी के किरीट सोमैया सांसद चुने गए। साल 2004 में कांग्रेस के गुरुदास कामत ने यह सीट जीतकर फिर से कांग्रेस की झोली में डाल दी। 2009 में इस सीट पर जनता ने राकापा पर भरोसा जताया और पार्टी प्रत्याशी संजय दीना पाटिल को सांसद बनाया।

2014 और 2019 का चुनावी परिणाम

साल 2014 से इस सीट पर मोदी लहर का जादू चला और यह भाजपा के कब्जे में चली गई। 2004 में बीजेपी के किरीट सोमैया सांसद बने। वहीं, 2019 में भाजपा के मनोज कोटक चुनाव जीतकर सफल हुए। बात करें 2014 के चुनावी परिणाम की तो यहां से बीजेपी प्रत्याशी किरीट सोमैया ने कांग्रेस प्रत्याशी संजय दीना पाटिल को 3,17,122 वोटों से पराजित किया था। किरीट सोमैया को 5,25,285 वोट मिले थे। कांग्रेस के संजय दीना पाटिल को 2,08,163 वोट प्राप्त हुए। 2019 के चुनाव में बीजेपी ने मनोज किशोरभाई कोटक को मैदान में उतारा। मनोज को 514,599 वोट मिले। वहीं, कांग्रेस से राकपा में गए संजय दीना पाटिल को 2,88,113 वोट मिल सके। वह यह चुनाव 2,26,486 वोट से हारे।

धार्मिक ध्रुवीकरण बड़ा फैक्टर

शिवसेना के संजय दीना पाटिल अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्र शिवाजीनगर-मानखुर्द से चुनाव लड़ रहे हैं। 2009 में राकांपा से चुनाव लड़ते हुए, पाटिल शिवाजीनगर में एक उपचुनाव में चुने गए। कोटेचा की प्रचार सभाओं पर शिवाजीनगर-मानखुर्द में तीन बार पथराव हुआ। इसके बाद से इस इलाके में धार्मिक ध्रुवीकरण देखा जा सकता है। जब से कोटेचा ने मानखुर्द को शिवाजीनगर-मानखुर्द से बाहर करने और इसका नाम केवल छत्रपति शिवाजीनगर करने का वादा किया है, तब से वहां का माहौल धार्मिक आधार पर बदल गया है। कोटेचा झुग्गी बस्तियों में मराठी, उत्तर भारतीयों का वोट पाने की कोशिश कर रहे हैं।

इस विधानसभा क्षेत्र में करीब 20 हजार नये मतदाताओं समेत 16 लाख 36 हजार मतदाता हैं और 7 लाख 58 हजार महिला मतदाता हैं। इनमें से अधिकांश 760,000 मराठी मतदाता,

240,000 मुस्लिम और 200,000 गुजराती और मारवाड़ी मतदाता हैं। हिंदी भाषी मतदाताओं की संख्या भी करीब दो लाख है। खास तौर पर मुलुंड, घाटकोपर में गुजराती-मारवाड़ी और उत्तर भारतीय मतदाताओं की संख्या अच्छी-खासी है और इन्हें बीजेपी का असली वोट बैंक माना जाता है। शिवाजी नगर-मानखुर्द में महाविकास अघाड़ी के प्रति मतदाताओं की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होगी। संजय पाटिल और प्रमुख नेता-कार्यकर्ता इस निर्वाचन क्षेत्र में मराठी और मुस्लिम के साथ-साथ दलित मतदाताओं से अधिक वोट पाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कोटेचा उत्तर भारतीयों के साथ-साथ गुजराटी-मारवाड़ी, एमएनएस और शिंदे ग्रुप के जरिए मराठी वोट हासिल करने की कोशिश में हैं। उत्तर पूर्व मुंबई लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी को उम्मीदवार बदलना अब भारी पड़ रहा है। अब इसका अहसास बीजेपी नेताओं को होने लगा है। उत्तर पूर्व सीट पर भांडुप, कांजुरमार्ग, विक्रोली और घाटकोपर पश्चिम क्षेत्र को शिवसेना के कट्टर समर्थकों का एरिया माना जाता है। इन क्षेत्रों में शिवसैनिकों का जबरदस्त समर्थन संजय पाटील को मिलता दिखाई दे रहा है।

स्पेशल विश्लेषण

पांचवें चरण की 49 सीटों का लेखा-जोखा

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में आठ राज्यों की 49 सीटों पर सोमवार यानी 20 मई को वोटिंग होगी है। इस चरण में 695 उम्मीदवार मैदान में है, जिसमें 82 महिलाएं और 613 पुरुष कैंडिटेट शामिल हैं। इस चरण में राहुल गांधी से लेकर स्मृति ईरानी, राजनाथ सिंह, पीयूष गोयल, रोहिणी आचार्य और चिराग पासवान जैसे दिग्गज नेताओं की अग्निपरीक्षा होने के साथ-साथ बीजेपी, कांग्रेस और टीएमसी जैसे राजनीतिक दलों का इम्तिहान होना है। पांचवें फेज का जिन सीटों पर चुनाव है, 2014 और 2019 में बीजेपी उन पर अपना एकछत्र राज कायम रखा है। कांग्रेस के लिए इस चरण में होने के लिए भले ही कुछ नहीं है, लेकिन बीजेपी को सत्ता की हैट्रिक से रोकने के लिए अपनी दमखम दिखाना होगा? पांचवें चरण में देश के 8 राज्यों की 49 सीटों पर चुनाव है, जिसमें उत्तर प्रदेश की 14 लोकसभा सीट शामिल है। इसके अलावा महाराष्ट्र की 13 सीट, पश्चिम बंगाल की 7 सीट, बिहार की पांच सीट, ओडिशा की पांच सीट, झारखंड की 3 सीट, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की 1-1 सीट शामिल हैं। इस चरण में राजनीतिक दलों के साथ-साथ गांधी परिवार के सियासी वारिस माने जाने वाले राहुल गांधी की भी परीक्षा होनी है। इसके अलावा लालू परिवार से पासवान और शिंदे परिवार सहित कई दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है।

49 सीटों का सियासी समीकरण

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में जिन 49 सीट पर वोटिंग होनी है, पिछले चुनाव में बीजेपी ने उन पर एकछत्र दबदबा जमाने में कामयाब रही थी। 2019 के चुनाव में इन 49 सीटों में से बीजेपी 40 सीटों पर लड़कर 32 सीटें जीतने में कामयाब रही थी जबकि कांग्रेस सिर्फ एक सीट ही जीत सकी थी। इसके अलावा जेडीयू के एक, एलजेपी एक, शिवसेना 7, बीजेडी एक, नेशनल कॉफ्रेंस एक और टीएमसी चार सीटें जीतने में सफल रही थी। बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए 41 सीटें जीतने में कामयाब रही थी, जबकि यूपीए सिर्फ दो सीटें ही जीत सकी थी और अन्य को पांच सीटें मिली थी।वहीं, पिछले तीन चुनाव नतीजों का इन सीटों पर विशलेण करें तो साफ हो जाएगा कि कैसे बीजेपी इन सीटों पर मजबूत रही है। 2009 में बीजेपी के पास सिर्फ छह सीटें थी जबकि कांग्रेस के पास 14 सीट थी। पांच साल के बाद 2014 में चुनाव हुए बीजेपी बढ़कर 27 पर पहुंच गई और 2019 में 32 सीट हो गई। कांग्रेस 14 सीटों से घटकर 2014 में घटकर कर दो सीट पर आई और 2019 में सिर्फ रायबरेली तक सीमित हो गई थी। बीजेपी का सियासी ग्राफ तेजी से बढ़ा है जबकि कांग्रेस लगातार कमजोर हुई है।

बीजेपी के लिए क्यों मुफीद है?

लोकसभा के तीन चुनाव से बीजेपी की सीटें जिस तरह बढ़ी है, उससे साफ जाहिर होता है कि कैसे इन सीटों पर उसे चुनौती देना आसान नहीं है। 2019 के चुनाव में बीजेपी ने जिन 40 सीट पर चुनाव लड़ी थी, उसमें से 30 सीट पर उसे 40 फीसदी से भी ज्यादा वोट मिले थे और 9 सीटों पर उसे 30 से 40 फीसदी के बीच वोट शेयर था। कांग्रेस को सिर्फ 3 सीट पर ही 40 फीसदी से ज्यादा वोट मिले थे, जिनमें से एक सीट ही जीत सकी थी। कांग्रेस को 17 सीटों पर 10 फीसदी से कम वोट मिला था। कांग्रेस 36 सीट पर चुनाव लड़ी थी जबकि बीजेपी 40 सीट पर चुनावी मैदान में थी। इसीलिए माना जा रहा है कि बीजेपी के लिए पांचवें चरण का चुनाव सियासी तौर पर मुफीद माना जा रहा।

किसका किस सीट पर गढ़?

पांचवें चरण में 12 सीटें ऐसी हैं, जिस पर पिछले तीन चुनाव से एक ही पार्टी को जीत मिल रही है। इसके चलते इन सीटों को उस दल के मजबूत गढ़ के तौर पर देखा जा रहा। बीजेपी के पास 5, टीएमसपी के 3, बीजेडी के पास 2, शिवसेना-कांग्रेस के पास एक-एक सीट है।ओडिशा में बीजेपी के सामने अस्का और कंधमाल को बचाए रखने की चुनौती है। महाराष्ट्र में गढ़ माने जाने बीजेपी धुले और डिंडोरी और शिवसेना का गढ़ कल्याण शामिल हैं। बीजेपी के मिशन में झारखंड की हज़ारीबाग सीट शामिल है। पश्चिम बंगाल के हावड़ा, श्रीरामपुर और उलुबेरिया क्षेत्र टीएमसी के मजबूत गढ़ के तौर पर जाने जाते हैं। उत्तर प्रदेश में लखनऊ बीजेपी और रायबरेली सीट कांग्रेस के दुर्ग के तौर पर जानी जाती है। बिहार की मधुबनी सीट बीजेपी लगातार अपने नाम कर रखी है।

चुनावी खबर

उत्तर प्रदेश

पीएम मोदी के खिलाफ मैदान में उतरे कोली शेट्टी पर एफआईआर

वाराणसी लोकसभा सीट से पीएम मोदी के खिलाफ मैदान में उतरे कोली शेट्टी शिवकुमार के खिलाफ एफआईआर हो गई है। शेट्टी के खिलाफ उनके नामांकन में प्रस्तावक बनी महिला ने ही तहरीर देकर केस दर्ज कराया है। महिला ने शेट्टी पर धोखाधड़ी और धमकाने का आरोप लगाया है। भेलूपुर थाने पहुंची महिला की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, शेट्टी ने इस भाजपा की दबाव की राजनीति बताया है। कहा कि दो दिन पहले ही इस बारे में चुनाव आयोग को पत्र भेजा गया था। वाराणसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से पीएम मोदी समेत कुल 41 प्रत्याशियों ने नामांक किया था। पर्चा जांच में 33 के नामांकन खारिज हो गए थे। इसके बाद केवल आठ प्रत्याशी मैदान में बचे थे। इसमें युग तुलसी पार्टी के प्रत्याशी कोली शेट्टी शिव कुमार भी हैं। शेट्टी ने सोनारपुरा के रहने वाले रमेश कुमार की पत्नी मंजू देवी उर्फ संजू देवी को अपना प्रस्तावक बनाया है। शुक्रवार को मंजू देवी उर्फ संजू देवी ने भेलूपुर थाने में शेट्टी पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए तहरीर दी।

बिहार

सम्राट चौधरी टिकट के लिए वसूली कर रहे: मुकेश सहनी

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी पर लोकसभा चुनाव के बीच गंभीर आरोप लगाया है। सहनी ने कहा कि बिहार बीजेपी के अध्यक्ष सम्राट चौधरी अभी से अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में टिकट बेचने में लग गए हैं। लोगों से 10 लाख रुपये लेकर उन्हें टिकट के लिए दिल्ली तक सिफारिश लगाने का दावा कर रहे हैं। सम्राट चौधरी पूरे बिहार से टिकट के लिए वसूली कर रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक चुनावी रैली पर 20 से 25 करोड़ रुपये खर्च हो रहा है, बीजेपी के पास इतने पैसे कहां से आ रहे हैं। मुकेश सहनी ने लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए निकलने से पहले पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में बीजेपी पर शुक्रवार को जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी बोल रहे हैं जो भ्रष्टाचार करेगा उसको ठोक के जेल में डालेंगे। वे सही बोल रहे हैं। ऐसा ही करना चाहिए। चंदा दो और धंधा लो भी भ्रष्टाचार ही है। जो चंदा नहीं देंगे उनके यहां ईडी और सीबीआई भेजते हैं। 16 हजार करोड़ का भ्रष्टाचार करके पार्टी में डोनेशन दिए हैं, उनको ठोकना चाहिए।

पश्चिम बंगाल

EC ने HC के पूर्व जज को थमाया कारण बताओ नोटिस

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी के खिलाफ कथित अशोभनीय और अनुचित टिप्पणी करने के मामले में चुनाव आयोग ने कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार अभिजीत गंगोपाध्याय को नोटिस जारी किया है। शुक्रवार को जारी नोटिस में आयोग ने गंगोपाध्याय को तीन दिनों के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा है। आरोप है कि पश्चिम बंगाल के हल्दिया में 15 मई को आयोजित एक रैली को संबोधित करते समय पूर्व जज ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की थी। इसके खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। गंगोपाध्याय को पश्चिम बंगाल की तमलुक संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं, जहां 25 मई को मतदान होना है।

झारखंड

झामुमो ने विधायक लोबिन हेंब्रम को किया पार्टी से निष्कासित

झामुमो ने बोरियो से विधायक लोबिन हेंब्रम को संस्पेंड कर दिया है। झामुमो ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि लोबिन हेंमब्रम ने गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया है। लोबिन हेंब्रम ने राजमहल लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन किया है। उन पर आरोप लगया गया है कि लोबिन हेंब्रम ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को भ्रमित किया है। लोबिन हेंब्रम बोरियो विधानसभा से विधायक है। लोबिन ने राजमहल लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी। लेकिन पार्टी आलाकमान ने मौजूदा सांसद विजय हांसदा के ऊपर भरोसा जताया था। इसी बात से नाराज होकर लोबिन ने राजमहल लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर पर्चा दाखिल कर दिया है। इसी बात पर पार्टी आलाकमान ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। यह अधिसूचना स्वंय झामुमो केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन ने जारी की है।

दो बजे दोपहर
शनिवार 18 मई 2024

मैं अमेठी का था, अमेठी का हूं और अमेठी का रहूंगा- राहुल गांधी

एजेंसी । अमेठी

अमेठी सीट से 2019 का चुनाव हारने के बाद बाद पहली बार राहुल गांधी ने अमेठी के लोगों से अपने रिश्तों पर बात की। अमेठी में जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं 12 साल का था तब से यहां आ रहा हूं। मैंने अमेठी का वह समय देखा जब यहां बंजर खेत होते थे। टूटी हुई सड़कें होती थीं। मैंने अपनी आंखों से अमेठी को बदलते हुए देखा है। मैं अपने पिता के साथ यहां आता था। मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि राजनीति में मैंने जो कुछ भी सीखा वह अमेठी से ही सीखा है।

'मैं जितना रायबरेली का हूं उतना ही अमेठी का हूं'

भावुक लहजे में राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि मैंने अमेठी को छोड़ दिया है। मैं अमेठी का था, अमेठी का हूं और अमेठी का रहूंगा। यह रिश्ता एक दो सालों का नहीं है। हमेशा का है। कल को मैं रायबरेली का सांसद हो जाउंगा। लेकिन एक बात याद रखिएगा कि मैं जितना रायबरेली का हूं उतना ही अमेठी का हूं। रायबरेली में जो भी विकास योजनाएं आएंगी वह सारी की सारी अमेठी में आएंगी। अमेठी में आपके सांसद केएल शर्मा जरूर होंगे लेकिन मैं भी आपका सांसद हूंगा। रायबरेली में यदि दस रुपए आते हैं तो यकीन मानिए कि अमेठी में भी दस रुपए आएंगे।

'अमेठी से अपने रिश्ते की बात कही'

यह पहला मौका था जब राहुल गांधी ने 2019 का चुनाव हारने के बाद अमेठी से अपने रिश्ते की बात कही। कुछ महीने पहले जब राहुल भारत जोड़ो न्याय यात्रा में अमेठी से गुजरे थे तब उन्होंने अपने और अमेठी के रिश्ते पर एक शब्द बात नहीं की थी। राहुल गांधी ने कहा कि केएल शर्मा आपके प्रत्याशी हैं। इनको आप संसद में भेजिए। ये आपके मुद्दे उठाएंगे। केएल शर्मा में जरा भी अहंकार नहीं है। उन्होंने कि राजीव गांधी जब यहां सक्रिय हुई तो उन्होंने नेताओं की एक टीम बनाई। उस टीम की बहुत सारे लोग सरकार और संगठन के बड़े-बड़े पदों पर चले गए लेकिन शर्मा आपके बीच रह गए। उन्होंने चालीस साल तक आपके साथ संबंध बनाए रखा। आप इनके हाथों को मजबूत कीजिए।

यह लोग गरीबों के हक पर डकैती डालने वाले लोग हैं- मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी । बलरामपुर

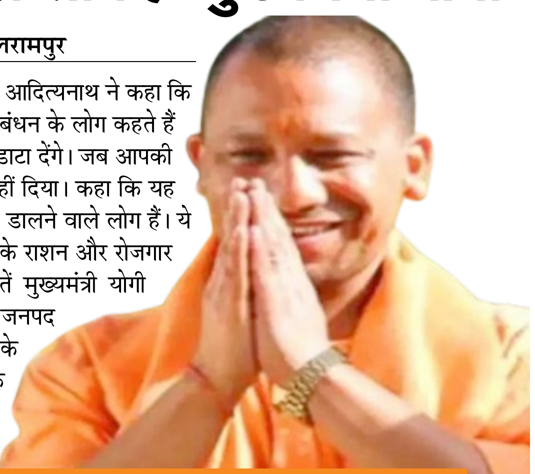

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज चुनाव का समय है। गठबंधन के लोग कहते हैं कि हम गरीबों को आटा और डाटा देंगे। जब आपकी सरकार थी तब आपने क्यों नहीं दिया। कहा कि यह लोग गरीबों के हक पर डकैती डालने वाले लोग हैं। ये लोग अपनी सरकार में गरीबों के राशन और रोजगार पर डकैती डाली है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जनपद के लोकसभा सीट गोण्डा के रेहरा बाजार में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही।

'इंडी गठबंधन भीमराव आंबेडकर का अपमान करने वाले हैं'

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यह लोकसभा का चुनाव राम भक्तों और राम द्रोहियों के बीच का है। यह राम द्रोही के साथ-साथ राष्ट्र द्रोही भी हैं। इंडी गठबंधन समाज को जाति के नाम पर लड़ाने और बाबा भीमराव आंबेडकर का अपमान करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जब राम भक्त 400 पार कहते हैं तो यह लोग कहते हैं कैसे आएगा, तो जनता कहती है 'जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे'। पूरे देश की एक ही आवाज है फिर एक बार मोदी सरकार।

'10 वर्षों में देश में कहीं भी आतंकी घटनाएं नहीं हुई'

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस-सपा से सवाल करते हुए कहा कि जब उनकी सरकार थी तब उन्होंने क्या किया? राम भक्तों पर गोली चलवाई, मंदिरों पर आतंकवादी हमला करने वाले लोगों पर से मुकदमा वापस लेने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पहले कांग्रेस की सरकार में आतंकवादी घटनाएं घटती थी। बीते 10 वर्षों में देश में कहीं भी आतंकी घटनाएं नहीं हुई। कही जोर से पटाखा भी फटता है तो पहले पाकिस्तान से सफाई आ जाती है इसमें उनका कोई हाथ नहीं। यह नया भारत है। मोदी का भारत है।

राजस्थान

नए जिले बनाए लेकिन नहीं खोले मौसम स्टेशन

जयपुर। राज्य की पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने प्रदेश में 17 नए जिले बना दिए और उनमें प्रशासन से लेकर अन्य अमला तैनाती के आदेश तक जारी कर दिए गए । सरकार ने नए जिले तो बना दिए लेकिन इन जिलों में मौसम स्टेशन स्थापित नहीं किए। हालांकि कुछ जगहों पर पहले से ही मौसम स्टेशन बने हुए है। नए बनाए गए 17 जिलों में से करीब एक दर्जन शहरों में मौसम स्टेशन नहीं है। ऐसे में इन जिलों के बाशिंदों को आंधी-बारिश, तापमान सहित अन्य मौसमी हलचल की सही जानकारी नहीं मिल रही है। 17 नए जिलों के गठन से प्रदेश में इनकी संख्या अब 50 हो गई है।

आग से झुलसे मां-बेटे की इलाज के दौरान मौत

बीकानेर। जिले के लूनकरनसर पुलिस थाना क्षेत्र में रसोई में चाय बनाते समय लगी आग में मां आग में घिर गई। मां को बचाते-बचाते बेटा भी झुलस गया। अब दोनों की इलाज के दौरान मौत हो गई। मां-बेटा 8 दिन तक जिंदगी के लिए लड़ते रहे। हादसा 9 मई को बीकानेर के लूणकरनसर में हुआ था। मां संतोष देवी रसोई में चाय बनाने गई थी। गैस रिसाव का पता नहीं चला और माचिस जलाते ही आग भभक गई। मां को आग में घिरा देख बेटा साहब नाथ रसोई में गया। तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी। मां-बेटा बुरी तरह झुलस गए थे। महिला 65 फीसदी और बेटा 45 फीसदी झुलसे थे।

बाड़मेर में घर की छत पर सो रहे युवक की हत्या

बाड़मेर। जिले के रामसर थाना क्षेत्र के बसरा गांव में घर की छत पर सो रहे युवक की हत्या करने का मामला सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया है। घटना के समय घर में युवक की भाभी, बहन और पांच साल की भतीजी ही थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर एफएसएल टीम ने सबूत जुटाए है। फिलहाल युवक के शव को हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने जांच शुरू कर दी है। युवक के सिर और पेट पर नुकीली व धारदार वस्तु से हमला किया है।

सड़क पार कर रहे श्रमिक को वाहन ने लिया चपेट में, हुई मौत

जोधपुर। शहर के पाल रोड स्थित अशोक उद्यान 21 सेक्टर मोड़ पर एक श्रमिक पैदल सडक़ पार कर रहा था। तब किसी चार पहिया वाहन के चालक ने उसे चपेट में ले लिया। घायल श्रमिक को एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। इस बारे में मृतक के भाई की रिपोर्ट पर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

मुंबई जनता एक्सप्रेस में एक बैग में मिला महिला का शव

एजेंसी । मीरजापुर

जनपद के चुनार जक्शन पर शुक्रवार को मुंबई जनता एक्सप्रेस ट्रेन में लाल रंग के ट्राली बैग में एक अज्ञात महिला की सिर कटी लाश मिलने से रेलवे विभाग में हड़कम मच गया। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस मामले की तहकीकात में जुटी

चौकी प्रभारी जीआरपी रमाशंकर यादव ने बताया कि ट्रेन संख्या (13201) अप मुंबई जनता एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे यात्रियों ने रेलवे को सूचना दिया कि ट्रेन के जनरल कोच में एक लाल रंग का ट्रॉली बैग रखा हुआ है, जो लावारिस हालत में है। कई स्टेशन गुजर जाने के बाद भी कोई इसे ले नहीं जा रहा है।

दिल्ली की ओर जाने वाली मुंबई जनता एक्सप्रेस चुनार जंक्शन पर अपने निर्धारित समय से दो घंटे विलंब से सात बजकर पांच मिनट पर प्लेटफार्म नंबर तीन पर पहुंची। आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने ट्रॉली बैग को ट्रेन से उतार कर चेक करना शुरू कर दिया। बैग खोलने पर उसमें एक 30 वर्षीय महिला की सिर कटी अर्धनग्न हालत में रखी लाश मिली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई है।

प्रसूता की मौत से नाराज परिजन ने किया चक्का जाम

एजेंसी । आजमगढ़

आजमगढ़ के सरायमीर थाना क्षेत्र के कौरागहनी गांव निवासिनी महिला को परिवार के लोग डिलीवरी के लिए नोनारी बाजार स्थित एएनएम सेंटर पर बुधवार को ले गए थे। देर शाम प्रसूता ने पुत्र को जन्म दिया। बच्चे की हालत गंभीर होने पर परिजन उसे जिला मुख्यालय लाकर भर्ती कराए। वहीं रात नौ बजे के लगभग प्रसूता की तबीयत बिगड़ गई, तो एएनएम सेंटर ने रेफर कर दिया। परिजन प्रसूता को फूलपुर प्राइवेट अस्पताल ले गए जहां उसकी मौत हो गई। प्रसूता की मौत से गुस्साए परिजनों ने बृहस्पतिवार को एएनएम सेंटर के बाहर मार्टीनगंज-सिकरौरा मार्ग पर नोनारी बाजार में सड़क पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कौरागहनी गांव निवासिनी सुषमा (38) की डिलीवरी होनी थी। प्रसव पीड़ा होने पर परिजन बुधवार को उसे नोनारी बाजार स्थित एएनएम सेंटर पर ले जाकर भर्ती कराया। जहां एएनएम गीता यादव ने इलाज शुरू किया। देर शाम डिलीवरी हुई और सुषमा ने एक बेटे को जन्म दिया। एएनएम ने बच्चे की हालत गंभीर बताते हुए अन्यत्र ले जाने को कहा तो परिजन उसे सरायमीर ले गए। बाद में जिला मुख्यालय स्थित अस्पताल लाकर भर्ती कराए।

बेकाबू ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार मां-बेटी को कुचला, मौत

एजेंसी । बिजनौर

जनपद में बैराज रोड के पास शुक्रवार को एक बेकाबू ट्रक ने मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में मोटर साइकिल सवार मां-बेटी की मौत हो गई और पिता घायल हो गया।

धामपुर क्षेत्र के ग्राम खदाना निवासी भीष्म कुमार अपनी पत्नी उजाला और चार साल की पुत्री कनिषा के साथ शुक्रवार की सुबह मोटर साइकिल से बैराज की ओर जा रहे थे। वह लोग अभी माउंट लिट्रा स्कूल के पास पहुंचे थे कि तेज रफ्तार ट्रक ने मोटर साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में मां उजाला और बेटी कनिषा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि भीष्म कुमार गंभीर रूप से घायल हो गये।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी।

लायन सफारी में बब्बर शेरनी ने चार मृत शावकों को जन्मा

एजेंसी । इटावा

जनपद स्थित लायन सफारी पार्क में बब्बर शेरनी रूपा ने चार मृत शावकों को जन्म दिया। सफारी प्रशासन ने मृत शावकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए आईवीआरआई बरेली भेज दिया है। सफारी पार्क के निदेशक डॉ.अनिल कुमार पटेल ने बताया कि गुरुवार देर रात सफारी पार्क में बब्बर शेरनी रूपा ने चार मृत शावकों को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि सफारी पार्क में बब्बर शेरनी रूपा जिसकी उम्र पांच वर्ष है। उसने गर्भकाल के पूर्ण होने के लगभग बीस दिन पूर्व ही चार मरे हुए शावकों को जन्म दिया है।

बब्बर शेरनी रूपा की मीटिंग लायन सफारी क्षेत्र में कान्हा नामक बब्बर शेर से माह फरवरी में हुई थी। मीटिंग के बाद शेरनी रूपा को ब्रीडिंग सेंटर में रखा गया था। जहां पर उसकी पूरी देखरेख के लिए एक विशेषज्ञ पशु चिकित्सक की तैनाती भी की गई थी। ब्रीडिंग सेंटर में शेरनी के प्रसव के लिए संभावित तिथि पांच या छह जून के लिए पूर्ण तैयारी की गई थी। परंतु समय से पूर्व ही प्रसव हो गया। बब्बर शेरनी रूपा ने दूसरी बार गर्भधारण किया है। इससे पहले प्रथम बार में दो शावको को जन्म दिया था, जिसमें से एक मृत शावक था।

व्यापार जगत

नेपाल में भी एमडीएच और एवरेस्ट पर प्रतिबंध

एजेंसी । नई दिल्ली

देश एवं दुनिया में स्वाद एवं सुगंध के लिए मशहूर भारतीय मसाले हानिकारक कीटनाशक पाए जाने के बाद से लगातार विवादों के घेरे में है। सिंगापुर, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया के बाद अब नेपाल ने भी भारत के दो मसाला ब्रांड एमडीएच और एवरेस्ट की बिक्री, खपत तथा आयात पर रोक लगा दी है।

अंतिम रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध लागू रहेगा

नेपाल के खाद्य प्रौद्योगिकी एवं गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दो भारतीय मसाला ब्रांडों एमडीएच एवं एवरेस्ट के आयात, उपभोग और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।प्रवक्ता के मुताबिक इन दो ब्रांड्स के मसालों में केमिकल एथिलीन ऑक्साइड के स्तर के लिए परीक्षण की जांच चल रही है। अंतिम रिपोर्ट आने तक प्रतिबंध लागू रहेगा। इससे पहले अप्रैल महीने में सिंगापुर, हांगकांग एवं सिंगापुर में एमडीएच और एवरेस्ट कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हालांकि, 6 मई को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया था, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर जड़ी-बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की अनुमति देता है।

वोडाफोन आइडिया लगातार घाटे में

एजेंसी । नई दिल्ली

टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया यानी VI को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में 7,674 करोड़ का घाटा हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट लॉस 6,418 करोड़ रहा था। यानी चौथी तिमाही में सालाना आधार पर कंपनी का घाटा 19.56% बढ़ा है।

तिमाही में रेवेन्यू 10,531 करोड़ रहा था

VI ने आज यानी 16 मई को चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए। VI के ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 0.71% की बढ़ोतरी हुई। चौथी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 10,606 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में रेवेन्यू 10,531 करोड़ रहा था। VI का पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड घाटा 6.61% बढ़कर 31,238 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में घाटा 29,301 करोड़ रहा था। वहीं VI का वित्त वर्ष 2024 में ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 42,651 करोड़ पहुंच गया। वित्त वर्ष 2023 में रेवेन्यू 42,177 करोड़ रहा था। यानी रेवेन्यू में 1.12% की बढ़ोतरी हुई है।

भारत में विदेशी ब्रांड के कपड़े बेचेगी रिलायंस रिटेल

एजेंसी । नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक कंपनी रिलायंस रिटेल अब भारत में ब्रिटेन की मशहूर ऑनलाइन फैशन कंपनी एएसओएस के प्रोडक्ट को बेचेगी। इसके लिए कंपनी ने एएसओएस के साथ लॉन्ग टर्म साझेदारी की है। लाइसेंसिंग समझौते के तहत रिलायंस रिटेल भारत में सभी ऑनलाइन और ऑफलाइन चैनलों पर एएसओएस के प्रोडक्ट्स को ग्राहकों को उपलब्ध कराएगी। एएसओएस दुनिया भर के फैशन-प्रेमी यूथ के बीच खासा लोकप्रिय है। कंपनी के प्रोडक्ट 200 से अधिक बाजारों में उपलब्ध हैं। ब्रिटिश कंपनी के साथ साझेदारी पर खुशी जाहिर करते हुए रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि हम अपने फैशन परिवार में एएसओएस का स्वागत करते हैं। वैश्विक फैशन रुझानों को भारत के बाजारों तक लाने के हमारे समर्पण में यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह साझेदारी भारत के प्रमुख खुदरा बाजारों में हमारी मजबूत स्थिति को दिखाती है। इसके साथ ही, यह सुनिश्चित करती है कि हमारे ग्राहकों की पहुंच अत्याधुनिक फैशन तक हो। वह फैशन, जिसे वे चाहते हैं। वहीं, ब्रिटेन की ऑनलाइन फैशन कंपनी एएसओएस के सीईओ जोस एंटोनियो रामोस ने कहा कि रिलायंस रिटेल के साथ मिलकर हम भारत में ग्राहकों के लिए अपने कुछ फैशन-बेस्ड ब्रांड लाने जा रहे हैं। इसमें एएसओएस डिजाइन भी शामिल है, जो इस पूरी दुनिया में सबसे बड़े ब्रिटिश फैशन ब्रांडों में से एक है।

श्री हर्ष बवेजा ने आरईसी लिमिटेड के निदेशक (वित्त) का कार्य भार ग्रहण किया

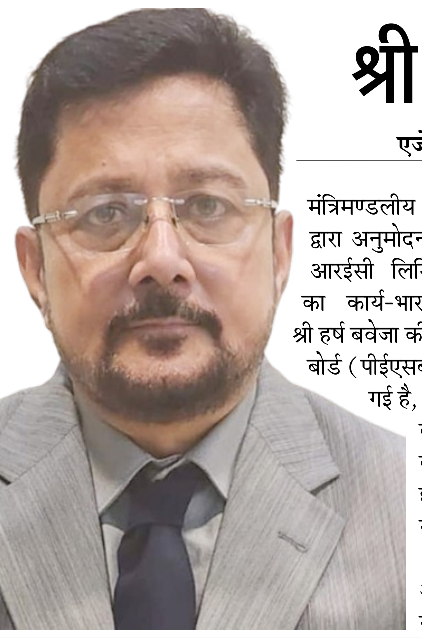

एजेंसी । गुरुग्राम

मंत्रिमण्डलीय नियुक्ति समिति (एसीसी) द्वारा अनुमोदन के बाद श्री हर्ष बवेजा ने आरईसी लिमिटेड केनिदेशक (वित्त) का कार्य-भार ग्रहण कर लिया है। श्री हर्ष बवेजा की नियुक्ति लोक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी) की अनुशंसा के बाद की गई है, यह नियुक्ति 11 उम्मीदवारों की गहन चयन प्रक्रिया के बादकी गई, जो यह दर्शाता है कि वे इस पद के लिए सर्वथा योग्य उम्मीदवार हैं।

एकअनुभवी चार्टर्ड अकाउंटेंट होने के साथ-साथ श्री बवेजाके पास कई संस्थानों में वित्तीय एवं व्यावसायिककार्यों के प्रबंधन के क्षेत्र में 33 वर्षों से अधिक समय का अनुभव है। चार्टर्ड अकाउंटेंट की पृष्ठभूमि एवं वित्तीय क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक समय की विशेषज्ञता के साथ उनकी नियुक्ति जटिल वित्तीय विषयों को सुलझाने में उनके बेहतर ट्रैक रिकॉर्ड को दर्शाती है। आरईसी में कार्यपालक निदेशक (वित्त) के रूप में अपने कार्यकाल में उन्होंने राज्य एवं निजी दोनों क्षेत्रों के वित्तपोषण की गहन समझ को दर्शाते हुए विभिन्न वित्तीय चुनौतियों के विषय में संगठन को आगे बढ़ाने में अपना सहयोग दिया है, उनके विशिष्ट कार्यकाल में सम्पूर्ण भारत में महत्त्वपूर्ण स्थानों पर व्यवसाय से संबद्ध आरईसी के प्रमुखव्यावसायिक कार्यालयों का प्रबंधन करना भी शामिल रहा है।

श्री बवेजा की गहन समझ ने ऊर्जा क्षेत्र के जटिल वित्तीय परिदृश्य में आरईसी को संवृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाने और पिछले कुछ वर्षों में आरईसी के वित्तीय प्रदर्शन को नई ऊंचाई प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से, व्यवसाय से संबंधित उनके विशेष प्रयासों ने स्ट्रेस्ड एसेट्स के कारण सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे वर्तमान वित्तीय वर्ष के अंत तक आरईसी को नेट जीरो एनपीए की स्थिति प्राप्त करने के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र पर भी ध्यान केन्द्रित करते हुए वित्तपोषण पोर्टफोलियो के विविधीकरण में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

अपने नए दायित्व के बारे में बात करते हुए श्री बवेजा ने कहा, ₹मेरा ध्यान कम लागत वाली उधारी सुनिश्चित करने, सभी हितधारकों की बेहतर संवृद्धि को प्रोत्साहित करने और वित्तीय वर्ष के अंत तक जीरो एनपीए के साथ आरईसी को नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के वित्तपोषण में सबसे अग्रणी कंपनी के रूप में स्थापित करने पर केन्द्रित रहेगा।₹

निदेशक (वित्त) के रूप में, श्री बवेजा आरईसी की वित्तीय रणनीति से संबंधित कार्यों का प्रबंधन करेंगे, जिससे कंपनी की वित्तीय उत्कृष्टता निरंतर सुनिश्चित होगीऔर सतत विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों को सुगम बनाया जाएगा। ऊर्जा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी के रूप में आरईसी की स्थिति को और बेहतर बनाने में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

आरईसी लिमिटेड के बारे में

आरईसी, विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक महारत्न कंपनी है और आरबीआई के साथगैर-बैंकिंग वित्त कंपनी, सार्वजनिक वित्तीय संस्थान (पीएफआई) और इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसकंपनी (आईएफसी) के रूप में पंजीकृत है। आरईसी उत्पादन, पारेषण, वितरण, नवीकरणीय ऊर्जा औरइलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी स्टोरेज, पंप स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया परियोजनाओंजैसी अनेक नई प्रौद्योगिकियों सहित पूरे विद्युत अवसरंचना क्षेत्र को वित्तपोषित कर रही है। आरईसी द्वारा गैर-विद्युत अवसंरचना क्षेत्र में भी विविधता लाई गई है जिसमें राजमार्ग और एक्सप्रेस वे, मेट्रो रेल, हवाई अड्डे, आईटी संचार, सामाजिक और वाणिज्यिक बुनियादी ढांचा (शैक्षणिक संस्थान, अस्पताल), बंदरगाह जैसे अनेक क्षेत्रों जैसे इस्पात, रिफाइनरी आदि के संबंध में इलेक्ट्रो-मैकेनिकल (ई एंड एम)कार्य शामिल हैं। आरईसी लिमिटेड देश में बुनियादी अवसंरचना परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्य, केंद्र और निजी कंपनियों को विभिन्न परिपक्वता अवधि के ऋण प्रदान करती है।

अपने आखिरी लीग मुकाबले में रॉयल की टक्कर आज चेन्नई से

दोनों टीमों के लिए मुकाबला अहम, मैच धुलने पर सुपर किंग्स पहुंच जाएगा प्लेऑफ में

कहीं बारिश न बिगाड़ दे बेंगलुरु का खेल

एजेंसी | बेंगलुरु

लगातार पांच जीत दर्ज कर प्लेऑफ की दौड़ में पहुंची रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का खेल उसके अंतिम मुकाबले में बारिश बिगाड़ सकती है। चेन्नई सपुर किंग्स के खिलाफ शनिवार को होने वाला मुकाबला उसके साथ ही पांच बार की चैंपियन टीम के लिए भी सेमीफाइनल जैसा है। चेन्नई जीत से अंतिम चार में पहुंचने वाली चौथी टीम बन जाएगी। लेकिन बेंगलुरु के जीतने पर रन रेट से फैसला होगा। मौसम विभाग ने बारिश की भविष्यवाणी की है। ऐसे में मुकाबला धुलने पर चेन्नई आगे बढ़ जाएगी।

मैच हुआ तो बेंगलुरु को 18 रन से जीतना होगा

हैदराबाद में सनराइजर्स और गुजरात टाइटंस का मैच बारिश में धुलने के कारण अब कोलकाता और राजस्थान के बाद सनराइजर्स प्लेऑफ में पहुंच गए हैं। अब सिर्फ एक स्थान के लिए रस्साकशी है। दो टीमें चेन्नई और बेंगलुरु दौड़ में हैं। बेहतर रनरेट और अधिक अंक (13 अंक, 0. 528 रनरेट) होने से चेन्नई का दावा मजबूत है। बेंगलुरु 12 अंक है और उसका नेट रनरेट 0 .387 है। बेंगलुरु को कम से कम 18 रन से या 11 गेंद बाकी रहते जीत दर्ज करनी होगी।

यश भी दिखा रहे दम

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अपनी स्विंग से कमाल कर रहे हैं। वह 8.80 की इकोनॉमी से 13 विकेट लेकर टीम के सबसे सफल गेंदबाज हैं। मोहम्मद सिराज ने भी पिछले कुछ मैचों से लय पा रही है। वह टी-20 विश्व कप से पहले शानदार प्रदर्शन करने को बेताब होंगे। उन्होंने 9.30 की इकोनॉमी से 12 विकेट लिए हैं। लॉकी फर्ग्युसन, ग्रीन और स्वप्निल सिंह के सामने कड़ी चुनौती है।

गायकवाड़ पर दारोमदार

चेन्नई का दारोमदार कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर होगा। वह शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और लगातार बड़ी पारियां खेल रहे हैं। वह इस अहम मुकाबले में भी टीम को धमाकेदार शुरुआत दिलाने को बेताब होंगे। वह सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र, रहाणे और डेरिल से भी बड़े धमाके की उम्मीद करेंगे। वहीं पिछले चार पारियों में नाकाम रहे शिवम दुबे से भी रंग में लौटना चाहेंगे। वह भी विश्व कप से पहले बल्ले से बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। धौनी की मौजूदगी चेन्नई के लिए प्रेरणास्रोत है लेकिन देखना होगा कि वह चोट के बीच कितना योगदान दे पाते हैं। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह और तुषार देशपांडे ने अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम को मुस्ताफिजुर पथिराना और दीपक चाहर की कमी खल रही है।

सात सौ चौके पूरे करने से एक दूर कोहली

कोहली आईपीएल में 700 चौके पूरे करने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने से सिर्फ एक दूर हैं। वह अब तक 250 मैचों में 699 चौके और 267 छक्के लगा चुके हैं। शिखर धवन (768 चौके) यह मुकाम हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। यही नहीं कोहली 76 रन बनाते हुए लीग में आठ हजार रन पूरे करने वाले पहले भारतीय भी बन जाएंगे। वह 131.80 की स्ट्राइक रेट से 7924 रन बना चुके हैं। इसमें रिकॉर्ड आठ शतक और 55 अर्धशतक हैं।

आमने-सामने

कुल मैच : 32
बेंगलुरु जीता : 10
चेन्नई जीता : 21
बेनतीजा : 1

कोहली कर रहे कमाल

बेंगलुरु इस समय सबसे शानदार फॉर्म में हैं। छह मैचों का हार का सिलसिला तोड़ने के बाद उसने जीत का पंजा लगाया है। विराट कोहली जबर्दस्त फॉर्म में हैं। वह पिछले पांच में से तीन मैचों में अर्धशतक जड़ चुके हैं। कप्तान डुप्लेसिस से अच्छी पारी की उम्मीद होगी जो पिछले दो मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सके। मध्यक्रम में पाटीदार और ग्रीन भी दम दिखा रहे हैं। लोमरोर और कार्तिक भी बल्लेबाजों की ऐशगाह चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच का फायदा उठाना चाहेंगे।

नंबर गेम

- 6 विकेट से हराया था चेन्नई ने बेंगलुरु को पिछले मुकाबले में
- 3 पिछले लगातार मुकाबलों में चेन्नई ने बेंगलुरु को शिकस्त दी है
- 10 मुकाबले दोनों ने एम चिन्नास्वामी में खेले हैं जिसमें से चेन्नई ने पांच,बेंगलुरु चार जीते और एक बेनतीजा रहा

अर्जुन को मिली मात, अरविंद ने दर्ज की जीत

एजेंसी | शारजाह

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दौर में यूनान के निकोल थियोडोरोउ से हार गए। उन्होंने हालांकि तीसरे दौर में स्विट्जरलैंड के निकोलाई काचेरावा को हराया। इससे वह लाइव रेटिंग में आठवें स्थान पर बने हुए हैं। भारत के अरविंद चिदंबरम ने अजरबैजान के मुरादली मुहम्मद को पराजित किया। दो बार के राष्ट्रीय चैंपियन अरविंद एकमात्र भारतीय है जो दो अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। अर्जुन का एक अंक है। अभिजीत गुप्ता ने उज्बेकिस्तान के मदामिनोवा के साथ ड्रॉ खेला। डी हरिका ने फ्रांस के मौरिजी मार्केड्रिया को बराबरी पर रोका।

सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी।

39 वर्षीय छेत्री ने संन्यास लेने के अपने फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि, 'पिछले 19 वर्षों में मुझे जो एहसास याद है, वह कर्तव्य, दबाव और अपार खुशी का एक बहुत अच्छा संयोजन है।' भारतीय फुटबॉल दिग्गज ने कहा कि कुवैत के खिलाफ मैच राष्ट्रीय स्तर पर उनका आखिरी गेम होगा।

सुनील छेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में यह घोषणा की। कुवैत के खिलाफ मैच – जो फीफा विश्व कप क्वालीफायर के दूसरे दौर का हिस्सा है- उनका आखिरी गेम होगा। यह मैच 6 जून को साल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत फिलहाल ग्रुप ए में कतर के बाद चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। सुनील छेत्री ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेस्सी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरुस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

मेरे रिकॉर्ड को अभी कोई खतरा नहीं : उसेन बोल्ट

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे तेज 'फर्राटा' धावक उसेन बोल्ट आठ साल के बाद फिर से ओलंपिक में होंगे लेकिन प्रतिभागियों को चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि वह पेरिस में सिर्फ उन्हें खेलते हुए देखने के लिए मौजूद होंगे। वह अपने शानदार रिकॉर्ड टूटने के प्रति जरा भी चिंतित नहीं हैं और उनका मानना है कि निकट भविष्य में इन्हें कोई खतरा नहीं है। न्यूयॉर्क से फोन पर दिये साक्षात्कार में बोल्ट ने संन्यास के बाद जिंदगी, फिर से प्रतिस्पर्धा करने की इच्छा और निकट भविष्य में भारत का दौरा करने की इच्छा के बारे में बातें कीं। बर्लिन में 2009 विश्व चैम्पियनशिप में 100 मीटर में उनका 9.58 सेकेंड और 200 मीटर में 19.19 सेकेंड का रिकॉर्ड कायम है। बोल्ट ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि इस रिकॉर्ड को कोई खतरा है। इस समय नहीं है। मुझे लगता है कि यह लंबे समय तक रहेगा।

ब्राजील में होगा 2027 फीफा महिला विश्व कप

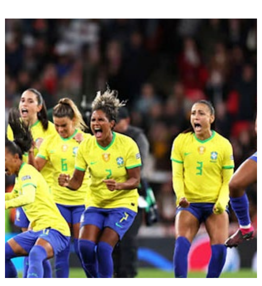

बैंकॉक। ब्राजील में 2027 महिला फुटबॉल विश्व कप होगा। फीफा के पूर्णकालिक सदस्यों ने बेल्जियम, नीदरलैंड्स और जर्मनी के संयुक्त प्रस्ताव पर दक्षिण अमेरिकी देश को तरजीह दी है। फीफा कांग्रेस ने ब्राजील के पक्ष में 119 वोट दिए जबकि संयुक्त यूरोपीय बोली को 78 वोट मिले। अमेरिका और मैक्सिको ने संयुक्त प्रस्ताव पिछले महीने जबकि दक्षिण अफ्रीका ने नवंबर में अपनी दावेदारी वापस ले ली थी। पहली बार महिला फुटबॉल विश्व कप दक्षिण अमेरिका में होगा। टूर्नामेंट पहली बार 1991 में खेला गया था ।

भारत एक जून को बांग्लादेश से अभ्यास मैच खेलेगा

एजेंसी | दुबई

भारतीय टीम एक जून को अमेरिका में बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 विश्व कप का अभ्यास मैच खेलेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने शुक्रवार को यह ऐलान किया। मैच का आयोजन स्थल और समय अभी तय नहीं किया गया है। विश्व कप में भाग ले रही 20 में से 17 टीमें 27 मई से एक जून तक अमेरिका और त्रिनिदाद एवं टोबैगो में अभ्यास मैच खेलेंगी। दक्षिण अफ्रीकी टीम 29 मई को फ्लोरिडा में टीम के भीतर ही अभ्यास मैच खेलेगी।

अभ्यास मैच नहीं खेलेंगी इंग्लैंड, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड

गत चैंपियन इंग्लैंड और उपविजेता पाकिस्तान के अलावा सेमीफाइनल खेलने वाली न्यूजीलैंड कोई अभ्यास मैच नहीं खेलेंगी। पाकिस्तान और इंग्लैंड 22 मई से इंग्लैंड में चार मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेल रहे हैं। वहीं पाकिस्तान में पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलकर कीवी टीम आठ जून को अफगानिस्तान के खिलाफ विश्व कप का पहला मैच खेलेगी। अभ्यास मैचों को टी-20 का दर्जा हासिल नहीं है लिहाजा टीमें सभी 15 खिलाड़ियों को उतार सकती हैं। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्वींस पार्क ओवल, त्रिनिदाद और टोबैगो में होने वाला मैच दर्शकों के लिए खुला होगा। टिकट राष्ट्रीय क्रिकेट सेंटर पर बने बॉक्स आफिस या टिकट्स डॉट टी20वर्ल्डकप डॉट कॉम से खरीदे जा सकेंगे।

मुंबई के मैदानों से

इंडियन नेवी की जीत

मुंबई। बांद्रा स्थित नेविल डिसूजा मैदान पर खेले गए मुंबई फुटबॉल एसोसिएशन लीग 2023-24 कॉरपोरेट डिवीजन के मैच में इंडियन नेवी ने बैंक ऑफ बड़ौदा को हरा दिया। दोनों टीमों की ओर से जोरदार खेल का प्रदर्शन किया गया और एक दूसरे को पछाड़ने की पूरी कोशिश रही, लेकिन खेल के 23वें मिनट में वी जी श्रेयस द्वारा किया गया मैच का एकमात्र गोल इंडियन नेवी के लिए निर्णायक साबित हुआ। इसके अलावा प्रथम डिवीजन के अन्य मैचों में ज्युपिटर एफसी ने कंपानेरोज स्पोर्ट्स क्लब को 4-0 से और जीकेडब्ल्यू रेन्जर्स ने एमएच ऑरेन्ज एफसी को 2-1 से मात दी।

'हाउसफुल 5' का हिस्सा बने अर्जुन रामपाल

अक्षय कुमार को पिछली बार फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था, जिसमें वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आए। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। फिलहाल अक्षय के पास ढेर सारी फिल्में हैं, जिनमें एक नाम साजिद नाडियाडवाला की 'हाउसफुल 5' का शामिल है। यह सुपरहिट फ्रैंचाइजी 'हाउसफुल' की पांचवीं किस्त है। ताजा खबर यह है कि अभिनेता अर्जुन रामपाल फिल्म 'हाउसफुल 5' की स्टार कास्ट से जुड़ गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अर्जुन फिल्म 'हाउसफुल 5' में अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। वे लगभग 14 साल के लंबे अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी में लौट रहे हैं। उन्होंने साल 2010 में आई फिल्म 'हाउसफुल' में काम किया था। वह अगस्त, 2024 में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। यह फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। 'हाउसफुल' और 'हाउसफुल 2' का निर्देशन साजिद खान ने किया था। 'हाउसफुल 3' का निर्देशन फरहाद सामजी और साजिद ने मिलकर किया, वहीं 'हाउसफुल 4' के निर्देशक फरहाद थे। 'हाउसफुल 5' तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बन रही है। साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के निर्माता हैं।

राजकुमार की अदाकारी के मुरीद हुए अक्षय कुमार

राजकुमार राव की फिल्म 'श्रीकांत' भले ही बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबित कमाई नहीं पाई, लेकिन इस फिल्म की हर तरफ खूब तारीफ हो रही है। फिल्म की कहानी और राजकुमार की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। हाल ही में अक्षय कुमार ने फिल्म 'श्रीकांत' देखी, जिसके बाद वह राजकुमारकी अदाकारी के मुरीद हो गए हैं। खिलाड़ी कुमार ने अभिनेता को एक सलाह भी दी है। अक्षय ने राजकुमार के लिए खूबसूरत पोस्ट लिखा है। अक्षय ने फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'कुछ भी असंभव नहीं है। 'श्रीकांत' जरूर देखें। फिल्म देखके मजा आ गया।' इसके बाद उन्होंने राजकुमार राव को टैग किया और लिखा, 'भाई अब तो एक्टिंग की क्लास शुरू कर दे। आप बहुत शानदार हैं।' राजकुमार ने फिल्म में दृष्टिहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला का किरदार निभाया है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 'श्रीकांत' ने अब तक 17.90 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है।

'नायक' की 23 साल बाद वापसी

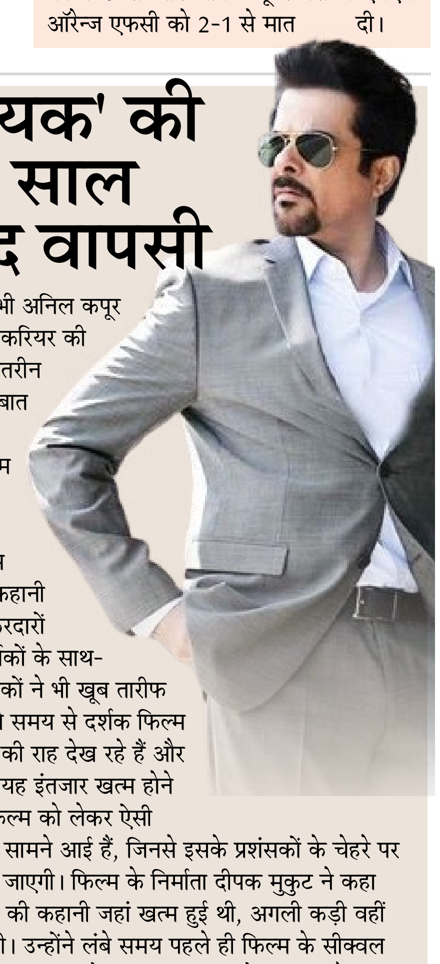

जब भी अनिल कपूर के करियर की बेहतरीन फिल्मों की बात होती है तो उनकी फिल्म 'नायक' का जिक्र जरूर होता है। इस फिल्म की कहानी से लेकर किरदारों तक की दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब तारीफ की थी। लंबे समय से दर्शक फिल्म के सीक्वल की राह देख रहे हैं और अब उनका यह इंतजार खत्म होने वाला है। फिल्म को लेकर ऐसी जानकारियां सामने आई हैं, जिनसे इसके प्रशंसकों के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। फिल्म के निर्माता दीपक मुकुट ने कहा कि 'नायक' की कहानी जहां खत्म हुई थी, अगली कड़ी वहीं से शुरू होगी। उन्होंने लंबे समय पहले ही फिल्म के सीक्वल के राइट्स खरीद लिए थे। वह 'नायक 2' में अनिल और रानी मुखर्जी की वापसी कराने वाले हैं। दोनों के किरदारों को ध्यान में रखकर ही सीक्वल की स्क्रिप्ट लिखी जा रही है। अनिल-रानी एक बार फिर सीक्वल में अपनी-अपनी भूमिका दोहराएंगे। एंटरटेनमेंट पोर्टल को निर्माता ने बताया कि वह काफी समय से फिल्म का सीक्वल बनाने की तैयारी कर रहे हैं और इसे दर्शकों के बीच लाने के लिए बेहद उत्साहित हैं। अनिल और रानी के नाम पर मोहर लग चुकी है। फिल्म के लिए बाकी कलाकारों का चयन स्क्रिप्ट के हिसाब से किया जाएगा। बताया जा रहा है कि कहानी को लेकर निर्माता-निर्देशक कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते।

'ये गंजा... तुम्हारी नौकरी खाऊंगी...'

सामने आया स्वाति मालीवाल से जुड़ा वीडियो

आतिशी बोलीं- बीजेपी ने रची पूरी साजिश, घटना के वक्त घर पर नहीं थे केजरीवाल

एजेंसी । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई कथित मारपीट को लेकर दिल्ली से लेकर देश तक सियासत गरमा गई है। दिल्ली पुलिस ने स्वाति मालीवाल बयानों के आधार पर इस संबंध में गुरुवार को केजरीवाल के पीए बिभव कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली की सिविल लाइंस थाना पुलिस ने आईपीसी की अन्य धाराओं के अलावा धारा 354, 506, 509 और 323 के तहत मामला दर्ज किया है, जिसमें किसी महिला पर उसकी लज्जा भंग करने के इरादे से हमला या आपराधिक बल प्रयोग, आपराधिक धमकी, शब्द संकेत या इरादे के कृत्य, अपमान और हमला शामिल हैं। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल आज दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने उनके 164 के बयान दर्ज करा कराया।

एनसीडब्ल्यू ने बिभव कुमार को किया तलब

इस मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने भी आज बिभव कुमार शुक्रवार को तलब किया है। हालांकि, स्वाति मालीवाल ने अपने साथ हुई कथित मारपीट के मामले को लेकर गुरुवार को चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस के समक्ष अपना बयान दर्ज करा दिया है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस घटना पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

सौरभ भारद्वाज ने भी स्वाति मालीवाल पर उठाया सवाल

इससे पहले आम आदमी पार्टी ने भी अपने एक्स अकाउंट पर स्वाति मालीवाल से जुड़े हुए एक कथित वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी थी। आप ने लिखा था कि स्वाति मालीवाल का सच। वहीं, दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने भी स्वाति मालीवाल मामले में कहा है कि 13 मई के वीडियो को देखकर कुछ बातें समझ में आती हैं। महिला बता रही हैं कि वो पुलिस को कॉल कर चुकी हैं, इसका मतलब तथाकथित मार पीट हो चुकी है। सफारी में जो अफ़सर हैं वे सिक्योरिटी में लगे दिल्ली पुलिस के अफ़सर हैं। वो उन्हें एक बार भी नहीं कह रही कि उन्हें बुरी तरह पीटा गया है। आज 17 मई के वीडियो में दिखा की वे ठीक से चल भी नहीं पा रही । मगर तथाकथित गंभीर चोटों के तुरंत बाद भी इस वीडियो में वे आराम से सोफ़े पर बैठी फ़ोन मिला रही हैं। खूब जोश में पुलिस और बिभव को धमका रही है। 13 मई को पुलिस के कहने पर भी मेडिकल नहीं कराया। आशा है सीसीटीवी की और भी वीडियो सामने आयेंगी और सच सबको पता चलेगा।

'जबरदस्ती सीएम आवास में घुसीं मालीवाल'

आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री आवास में हुई कथित मारपीट का मामला तूल पकड़ चुका है। स्वाति के दिल्ली पुलिस में लिखित शिकायत देने के बाद अब पार्टी भी उनके खिलाफ हो गई है। दिल्ली कैबिनेट मंत्री आतिशी ने आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी मामले पर प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि स्वाति मालीवाल ने जो आरोप लगाए हैं वह उस वीडियो के बिल्कुल विपरित है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बिभव कुमार ने स्वाति मालीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और विस्तार से बताया है कि 13 मई को क्या हुआ। आतिशी ने कहा, स्वाति मालीवाल बीजेपी के षडयंत्र का चेहरा हैं। स्वाति मालीवाल बिना किसी अपॉइंटमें सीएम आवास पहुंची। गेट पर गार्ड ने उन्हें रोका तो उन्होंने उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। वह जबरदस्ती अंदर घुसीं और सीएम से मिलने की जिद्द की। बिभव कुमार ने कहा कि अभी मुलाकात नहीं हो सकती तो उन्होंने बिभव कुमार को धक्का दिया।

मालीवाल पर भड़के नरेश बाल्यान

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आप विधायक नरेश बाल्यान ने आम आदमी पार्टी की उस पोस्ट का जवाब दिया, जिसमें पार्टी ने लिखा था कि स्वाति मालीवाल का सच। स्वाति मालीवाल पर निशाना साधते हुए नरेश बाल्यान ने पोस्ट किया, "पार्टी ने नाम दिया, मान दिया, सम्मान दिया, सड़क से उठा कर देश के सर्वोच्च सदन में बैठा दिया, बदले में पार्टी को क्या दिया? जब लीडर एक –एक इंसुलिन के लिए तानाशाह के कैद में तड़प रहा था, तो उस समय उसी तानाशाह के एजेंडे में शामिल हो गई। गद्दारों को तो दुश्मन भी पसंद नही करते। सच आने से साबित हुआ की भगवान के घर में अब देर भी नही है, तुरंत फैसला कर दिया।

भारत की खुफिया जानकारी के लिए हनी ट्रैप का जाल

नौसेना जासूसी मामले में NIA की रडार में कई आरोपी

एजेंसी । नई दिल्ली

पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों की खुफिया जानकारियां हासिल करने के लिए भारतीय नौसेना के जवानों को हनी ट्रैप में फंसाने की साजिश रच रही है। इससे जुड़े विशाखापत्तनम जासूसी मामले में अब राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने मुंबई के निवासी अमान सलीम शेख के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है।

सलीम शेख के खिलाफ आरोपपत्र

आधिकारिक बयान में शुक्रवार को बताया गया कि एनआइए ने रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं जुटाने के लिए भारतीय नौसेना के जवानों को हनीट्रैप में फंसाने की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के एक प्रमुख आरोपित अमान सलीम शेख के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद रोधी एजेंसी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एनआइए की विशेष अदालत में गुरुवार को शेख के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया।

जासूसी में मामले में अब तक तीन गिरफ्तार

एनआइए ने मुंबई में पिछले साल 20 नवंबर को अमान सलीम शेख को गिरफ्तार किया था। शेख समेत मामले में अब तक गिरफ्तार किए गए आरोपितों की कुल संख्या तीन हो गई है। दो फरार पाकिस्तानी गुर्गों सहित कुल चार लोगों के खिलाफ एनआइए पहले ही आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। पिछले साल छह नवंबर को एनआइए ने दो अन्य आरोपितों मनमोहन सुरेंद्र पांडा और अल्वेन के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। आतंकवाद निरोधी एजेंसी ने शुक्रवार को विशाखापत्तनम में एनआईए की विशेष अदालत में पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया, जिसमें मुंबई (महाराष्ट्र) निवासी अमन पर भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए। पिछले साल 5 जून को मामले को अपने हाथ में लेने वाली एनआईए ने अपनी जांच के दौरान पाया कि अमन भारत विरोधी साजिश को आगे बढ़ाने के लिए एक संदिग्ध पाकिस्तानी एजेंट उस्मान के लिए काम कर रहा था। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों द्वारा सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के लिए क्रिप्टो चैनलों के माध्यम से मीर बलज खान, अल्वेन और कुछ अन्य व्यक्तियों सहित अन्य संदिग्ध पाकिस्तानी गुर्गों से भी पैसे प्राप्त कर रहा था।

न्यूज़ ब्रीफ

56 करोड़ रुपए की शराब, मादक पदार्थ और नकदी जब्त

चंडीगढ़। लोकसभा चुनाव के लिए 16 मार्च से आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हरियाणा में लगभग 56 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ, शराब और बेहिसाब नकदी जब्त की है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य में बुधवार तक लगभग 11।50 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई है। इसके अलावा, 44।69 करोड़ रुपए की अवैध शराब, मादक पदार्थ और अन्य सामान भी जब्त किए गए हैं। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा में पारदर्शी तरीके से लोकसभा चुनाव कराने के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद राज्य में पुलिस, आयकर विभाग, आबकारी एवं कराधान विभाग और राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है।

टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

कोलकाता। सीबीआई ने शुक्रवार को बंगाल में टीएमसी के दो नेताओं के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी साल 2021 में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामले में छह भगोड़ों की तलाश में की गई। सीबीआई ने बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के काठी इलाके में टीएमसी नेताओं के ठिकानों पर छापा मारा। 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा में भाजपा के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई थी। सीबीआई ने बताया कि इस तलाशी का उद्देश्य छह फरार आरोपियों के ठिकानों का पता लगाना था। बता दें कि इन छह आरोपियों के खिलाफ एक विशेष अदालत ने गैर जमानती वारंट जारी किया है।

बीजेपी कार्यकर्ता की मौत की जांच करेगी एसआईटी

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस ने गंजम जिले में सत्तारूढ़ बीजद और भाजपा पार्टी के समर्थकों के बीच झड़प में एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या की जांच के लिए शुक्रवार को एक एसआईटी का गठन किया। अधिकारियों ने कहा कि एडीजी आर के शर्मा की अध्यक्षता वाली एसआईटी 30 दिनों के भीतर आरोप पत्र दाखिल करेगी। पुलिस ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता की मौत के मामले में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को जिले के श्री कृष्णा सरनापुर गांव में हुई झड़प में दिलीप कुमार पाहाना (28) की मौत हो गई और सात भाजपा समर्थक घायल हो गए थे।

वायुसैनिकों पर मारपीट के आरोपों की जांच शुरू

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

वायुसेना की दक्षिणी कमान ने शुक्रवार को बताया कि उसने मीडिया में आई खबरों के आधार पर दो दिन पहले वायुसैनिकों पर मारपीट के लगे आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

क्या है मामला ?

रक्षा मंत्रालय ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, वायुसेना की दक्षिणी कमान ने इस घटना पर गंभीर संज्ञान लिया है। भारतीय वायुसेना की खराब आचरण खासतौर पर सार्वजनिक स्थानों पर शून्य बर्दाश्त की नीति है और इसके तहत तथ्यों का पता लगाने के लिए गहनता से जांच की जा रही है। खबरों के मुताबिक 15 मई को 18 वायुसैनिक रेस्तरां में रात में खाना खाने के लिए गए थे और एक साथ बैठने की व्यवस्था करने को कहा था, जब रेस्तरां कर्मी ने इंतजार करने को कहा तो उन्होंने कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया। मीडिया मे आई खबरों के मुताबिक होटल के कर्मी ने सभी सीट भरी रहने के कारण उन्हें इंतजार करने को कहा था।

वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल चौथी बार बने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन प्रेसिडेंट

नई दिल्ली। पूर्व कांग्रेस नेता और सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए हैं। उन्होंने हालिया चुनाव में निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रदीप राय को हराकर दो दशक के बाद फिर से अध्यक्ष पद हासिल किया है। गुरुवार (16 मई) को हुए बार एसोसिएशन चुनाव में सिब्बल को 1066 वोट मिले, जबकि वरिष्ठ वकील प्रदीप राय को 689 वोट से संतोष करना पड़ा। करीब दो दशक के बाद कपिल सिब्बल इस चुनाव मैदान में उतरे थे। वह यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने से पहले 1995, 1997 और 2001 में SCBA प्रेसिडेंट की कुर्सी संभाल चुके हैं।

बाल-बाल बची 180 यात्रियों की जान

एयर इंडिया का विमान टेकऑफ के दौरान हादसे का हुआ शिकार

एजेंसी । पुणे

16 मई को दिल्ली जाने वाले एयर इंडिया के एक विमान की पुणे हवाई अड्डे पर रनवे की ओर बढ़ते समय एक टग ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। यह घटना तब हुई जब विमान में लगभग 180 यात्री सवार थे।

हवाईअड्डे के एक अधिकारी ने एएनआई को बताया क लिगभग 180 यात्रियों को ले जा रहे विमान की नाक और लैंडिंग गियर के पास एक टायर क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें शामिल सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आपातकालीन प्रोटोकॉल तेजी से लागू किए गए। किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि यात्रियों को तुरंत विमान से उतार दिया गया और दिल्ली के लिए वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की गई थी।

टिशू पेपर के कारण मच गया था हड़कंप

वहीं, बुधवार को ही दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के विमान में रखे टिशू पेपर में 'बम' लिखा मिला, जिसके बाद एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया और सुरक्षा अधिकारियों ने पूरे विमान की जांच की, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। बाद में यह महज अफवाह साबित हुई।

कर्मचारी चले गए थे हड़ताल पर : मालूम हो कि हाल ही में विमानन कंपनी के कई कर्मचारी एक साथ अवकाश पर चले गए थे, जिसके बाद सैंकड़ों फ्लाइट्स रद्द हो गई थी। हालांकि, कंपनी ने यात्रियों को रिफंड या दूसरी फ्लाइट की सुविधा देने की बात कही थी। वहीं, एक साथ छुट्टी लेने वाले कई कर्मचारियों पर कंपनी द्वारा कार्रवाई की गई थी। इसके बाद अन्य कर्मचारी में रोष में आ गए और कंपनी के कुप्रबंधन पर सवाल उठाए और हड़ताल कर दी। साथ ही निकाले गए कर्मचारियों को वापस बहाल करने की मांग रखी, जिसे कंपनी ने मान लिया। वहीं हड़ताल भी खत्म हो गई और कर्मचारी काम पर लौट आए। इस दौरान कंपनी को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो गया।

DGCA ने शुरू की जांच

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने टक्कर का कारण निर्धारित करने के लिए जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि जमीन पर विमान को चलाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले टग ट्रक ने टैक्सीगि प्रक्रिया के दौरान विमान को टक्कर मार दी। डीजीसीए की जांच परिचालन प्रोटोकॉल और संभावित खामियों पर केंद्रित होगी, जिसके कारण यह घटना हुई। हादसे के बाद हवाईअड्डे का संचालन बिना किसी महत्वपूर्ण व्यवधान के जारी रहा। हालांकि, प्रभावित विमान को संक्षिप्त अवधि के लिए विस्तृत निरीक्षण और मरम्मत के लिए सेवा से बाहर कर दिया गया था और अब वह संचालन के लिए तैयार है।

मतदान के बाद मतों का लेखा-जोखा अपलोड करने का निर्देश

नई दिल्ली। देशभर में चुनावी माहौल बना हुआ है। चार चरण के लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। अब पांचवें चरण का चुनाव 20 मई को होना है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में मतदान केंद्रों पर दर्ज मतों का लेखा-जोखा तुरंत अपलोड करने का निर्देश देने की मांग करने वाली याचिका दाखिल की गई। सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई के वकील से कहा कि वह 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रत्येक चरण के मतदान समाप्त होने के बाद सभी मतदान केंद्रों पर दर्ज मतों का लेखा-जोखा तुरंत अपलोड करने के निर्देश मांगने वाली अर्जी पर चुनाव आयोग से निर्देश ले।

झारखंड के पूर्व CM हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दी जमानत

एजेंसी । रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को धन शोधन घोटाले के मामले में ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से एक बार फिर राहत नहीं मिली।

दरअसल, सोरेन ने हाल ही में कोर्ट में याचिका दायर कर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर खुद के लिए जमानत मांगी थी। हालांकि, कोर्ट ने इस मामले में अब अगली तारीख दे दी है। सुप्रीम कोर्ट अब सोरेन की जमानत याचिका पर 21 मई को सुनवाई करेगा।

गर्भवती के शरीर में छोड़ा कपड़ा

कर्नाटक के सरकारी अस्पताल की लापरवाही

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के सरकारी अस्पतालों में जहां अव्यवस्थाओं का आलम रहता है, वहीं आए दिन डॉक्टरों और स्टाफ नर्स की लापरवाही सामने आती रहती है। लापरवाही बरतने का ताजा मामला कर्नाटक के कोलार में सामने आया है। स्टाफ नर्स ने डिलीवरी के बाद महिला के शरीर में 3 फीट लंबा कपड़ा छोड़ दिया।

असहनीय दर्द उठने पर जब वह उपचार कराने के लिए प्राइवेट अस्पताल पहुंची तो अल्ट्रासाउंड करने पर पता चला कि उसके शरीर में कपड़ा है। कपड़ा भी महिला के प्राइवेट पार्ट से चिपका हुआ था, जिस वजह से उसे असहनीय दर्द उठा रहा था। महिला के पति ने हंगामा करते हुए सरकारी अस्पताल के स्टाफ पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। जिला सर्जन डॉ। SN विजयकुमार को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई है।

सर्जरी करके निकालना पड़ा कपड़ा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 वर्षीय चंद्रिका रामसगरा गांव की रहने वाली हैं। 5 मई को चंद्रिका ने सरकारी SNR अस्पताल में प्रसव कराया, लेकिन 4 दिन बाद उसके पेट में असहनीय दर्द उठा। हालत बिगड़ती देखकर राजेश पत्नी चंद्रिका को प्राइवेट अस्पताल लेकर गया। वहां के डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड कराया तो प्राइवेट पार्ट में एक कपड़ा चिपका मिला। राजेश ने डॉक्टर को बताया कि चंद्रिका ने सरकारी SNR अस्पताल में प्रसव कराया था। यह जानने के बाद प्राइवेट अस्पताल के डॉक्टर ने सर्जरी करके कपड़ा निकाल दिया, लेकिन राजेश सरकारी अस्पताल पहुंच गया और वहां के स्टाफ पर आरोप लगाया। पूछताछ में पता चला कि स्टाफ नर्स ने लापरवाही बरती। उसी ने चंद्रिका के शरीर में कपड़ा छोड़ दिया था। यह जानने के बाद राजेश भड़क गया और उसने जिला सर्जन को लिखित शिकायत दे दी। राजेश ने बताया कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर ने चीरा लगाने के बाद ब्लीडिंग को रोकने के लिए चंद्रिका के प्राइवेट पार्ट में दवाई लगाई थी, लेकिन जिस कपड़े से क्लीनिंग की और दवाई लगाई, उसे वहीं छोड़ दिया।

दोपहर एंकर नई सरकार के शपथ ग्रहण करने के बाद शुल्क में हो सकते हैं बदलाव

दूसरे बैंक के एटीएम का इस्तेमाल करना होगा महंगा

एजेंसी । नई दिल्ली

क्या आप अपने बैंक के अलावा किसी दूसरे बैंक के एटीएम यानी ऑटोमेटेड टेलर मशीन का इस्तेमाल करते हैं तो आपको बता दें कि इसका शुल्क बढ़ाने की तैयारी लगभग हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक एटीएम पर आने वाले खर्च या लागत पर नए सिरे से विचार किया जा रहा है। एक सूत्र के मुताबिक नई सरकार के शपथ ग्रहण करने के बाद शुल्क में बदलाव हो सकते हैं। जानकारी के मुताबिक दूसरे बैंक के एटीएम से रकम निकालने या लेनदेन करने पर शुल्क (इंटरचेंज शुल्क) बढ़ाकर 20 से 23 रुपये तक किया जा सकता है और ज्यादा नकदी निकालने पर अतिरिक्त सुविधा शुल्क भी लिया जा सकता है। जिन इलाकों में बैंकों की पैठ या एटीएम कम हैं वहां शुल्क कम रखने पर भी विचार किया जा रहा है ताकि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण यानी डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) के लाभार्थी एटीएम से आराम से रकम निकाल सकें।

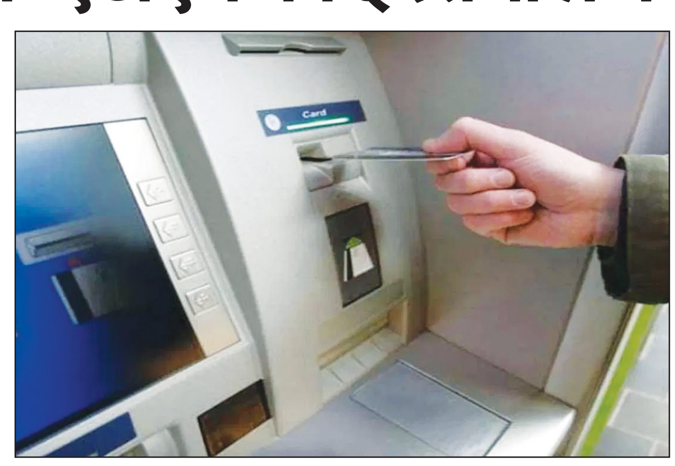

ज्यादा बार भरने पर रहे एटीएम

जानकारों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक और एटीएम उद्योग परिसंघ के बीच हुई हालिया बैठक के में इन मसलों पर चर्चा की गई। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, किराये, ईंधन के खर्च, नकदी भरने के शुल्क और गृह मंत्रालय की सुरक्षा शर्तों का पालन करने के कारण लागत बहुत बढ़ गई है। दरअसल, 2,000 रुपये के नोट बंद होने के बाद अब एटीएम में नोट भी ज्यादा बार भरने पड़ते हैं। कन्नन समिति की सिफारिश थी कि इंटरचेंज शुल्क और एटीएम उपयोग शुल्क पर नियत समय के बाद विचार होना चाहिए ताकि लागत से जुड़ी परेशानी दूर हो सकें। इस समय का फैसला रिजर्व बैंक करेगा। उद्योग इंटरचेंज शुल्क को बढ़ाकर 20 रुपये किए जाने के लिए तैयार था मगर सुनने में आ रहा है कि कैसेट बदलने के खर्च की भरपाई के लिए इसे बढ़ाकर 23 रुपये किया जा सकता है।

नए एटीएम लगाने के ऑर्डर दिए

एटीएम पर लगने वाले शुल्क की समीक्षा की खबर के साथ ही यह जानकारी भी आई है कि जब सितंबर 2023 से मार्च 2024 तक 45,000 नए एटीएम और कैश रीसाइक्लिंग मशीनों के ऑर्डर दिए गए हैं। उससे पहले की छमाही के मुकाबले यह ऑर्डर छह गुना है। यह आंकड़ा नवंबर 2016 में नोटबंदी के समय से आज तक लगाए गए एटीएम से भी ज्यादा है। नोटबंदी के समय देश में करीब 2।25 लाख एटीएम थे और इस समय इनकी संख्या 2।60 लाख है यानी पिछले करीब साढ़े सात साल में इनकी संख्या में 35,000 का ही इजाफा हुआ है। एटीएम इंटरचेंज शुल्क व्यवस्था की समीक्षा के लिए गठित समिति की रिपोर्ट एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है। बैंकों की कम पैठ वाले इलाकों में एटीएम लगाने का काम तेज करने के लिए रिजर्व बैंक ने इस समिति का गठन किया था।

कब लगता है इंटरचेंज शुल्क ?

इंटरचेंज शुल्क तब लगाया जाता है, जब आप किसी दूसरे बैंक के एटीएम या व्हाइट लेबल एटीएम पर जाकर अपने कार्ड से लेनदेन करते हैं। यह शुल्क आपके बैंक से वसूला जाता है। पहले यह शुल्क 15 रुपये प्रति लेनदेन था, जिसे 1 अगस्त 2021 को बढ़ाकर 17 रुपये कर दिया गया। गैर वित्तीय लेनदेन पर शुल्क 5 रुपये से बढ़ाकर 6 रुपये कर दिया गया। मगर 2012 में एटीएम इंटरचेंज शुल्क 18 रुपये था, जिसे घटाकर 15 रुपये किया गया था।